हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● शुक्रवार ● 30.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 185 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी-2026-27 में हुए शामिल

झारखंड के 25 वर्षों के सफर को नई दिशा देगा मजबूत और बहुआयामी बजट : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड 25 वर्षों का सफर तय कर चुका है। ऐसे में इस बार राज्य के लिए मजबूत और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है। बजट ऐसा हो, जो इस युवा राज्य की संभावनाओं को आकार दे सके। बजट संतुलित, समावेशी और व्यापक हो, जिसमें जन आकांक्षाएं परिलक्षित हो और विकास को भी गति मिले। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जो हर वर्ग और क्षेत्र को पूरी मजबूती के साथ आगे ले जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपए के होने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट की राशि में और वृद्धि होगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में भी हमें ठोस तरीके से कार्य करना होगा ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में राशि की कमी नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट बेहतर बने, इसके लिए आम लोगों को भी जिम्मेदारी देनी होगी। इस दिशा में हमारी सरकार आम लोगों से लगातार सुझाव ले रही है। मेरा मानना है कि लोगों की भागीदारी से ही हम एक संतुलित और विकास आधारित बजट इस राज्य का बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक और लंदन दौरे से लौटा हूं। वहां काफी करीब से उनकी नीतियों, समृद्ध अर्थव्यवस्था, लोगों की जीवन और कार्य शैली तथा परंपरा- संस्कृति देखने -समझने का मौका मिला। विदेश दौरे में हमें जो अनुभव प्राप्त हुए हैं, उसके जरिए हम राज्य को नई दिशा देने देंगे का प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा की नई पीढ़ी अलग सोच के साथ आगे बढ़ रही है। ये पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही है। ऐसे में नई पीढ़ी की जरूरतों तथा आवश्यकताओं के अनुरूप बजट को तैयार करना होगा ताकि उन्हें उन्हें हम बेहतर अवसर उपलब्ध करा सकें। इसके लिए जरूरी है कि हम नवीनतम प्रयोग के साथ आगे बढ़ें।

झारखंड में किसी भी क्षेत्र में संसाधन और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है। जल - जंगल जैसे प्राकृतिक संसाधन हैं। प्रचुर खनिज संपदा है। उद्यमी हैं। मानव संसाधन है। मेहनतकश श्रम बल है। किसान हैं। खिलाड़ी हैं। इसके साथ अनेकों और क्षेत्र हैं, जहां काफी संभावनाएं हैं। हमें इन संसाधनों और क्षमताओं का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में प्राकृतिक, औद्योगिक और आर्थिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में अपने इन संसाधनों के बलबूते शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, खेल, प्राकृतिक, औद्योगिक, आर्थिक और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कृषि में निरंतर नए प्रयोग हो रहे हैं। खेतों में पानी पहुंच रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं - सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। जल जंगल और जमीन के संरक्षण और सदुपयोग को लेकर मजबूत रूपरेखा के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का एक छोटा और पिछड़ा राज्य है। लेकिन, देश की अर्थव्यवस्था में यह राज्य अहम योगदान देता आ रहा है। ऐसे में अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की नई नीति, कार्ययोजना एवं बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से झारखंड समृद्ध राज्य है। यहां देश का सबसे ज्यादा लाह उत्पादन होता है। तसर उत्पादन में भी झारखंड काफी आगे हैं।

2036 तक 60 करोड़ लोग शहरों में रहेंगे, जीडीपी में शहरों का होगा 70 फीसदी का योगदान : आर्थिक सर्वेक्षण

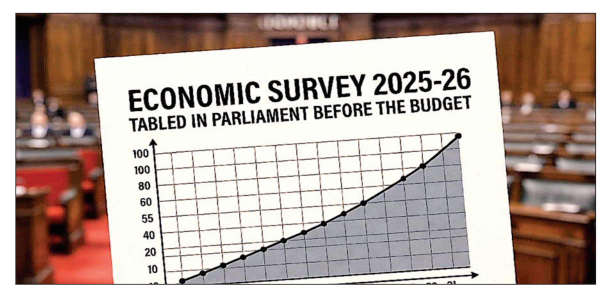

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश में शहरी आबादी और उसकी जीडीपी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। साल 2015 में देश की 63 फीसदी शहरी क्षेत्र से जुड़ी थी जो 2011 की जनगणना के हिसाब से 31 फीसदी ज्यादा थी। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक साल 2036 तक शहरों में 60 करोड़ लोग रहेंगे, जो कुल आबादी का 40 फीसदी होगा और जीडीपी में 70 फीसदी योगदान देंगे।

यह जानकारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद भवन में पेश किए आर्थिक सर्वेक्षण में दी। इस सर्वेक्षण में बताया गया कि देश में शहरीकरण बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। देश की जीडीपी का 70 फीसदी हिस्सा इन शहरों से ही आता है। इन शहरों में लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो और रैपिड रेल का विकास तेजी से किया जा रहा है। अभी देश के 24 शहरों में 1,036 किलोमीटर मेट्रो और आरआरटीएस नेटवर्क चालू है। सर्वेक्षण में बताया गया कि पिछले दशक में भारत ने तेजी से मेट्रो और आरआरटीएस का विस्तार किया है। पीएम ई-बस सेवा के तहत 10,000 ई-बसें लाई जा रही हैं। वित्त वर्ष 2025 में 7,293 ई-बसों को मंजूरी दी गई है और इनके लिए डिपो व बिजली ढांचे पर निवेश हुआ है।

शहरों में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और अमृत योजनाओं के तहत खुले में शौच पूरी तरह खत्म हो गया है। 2014-15 में जहां घर-घर कचरा संग्रहण लगभग न के बराबर था, वहीं अब यह 98 प्रतिशत शहरी वार्डों तक पहुंच गया है। इसके लिए देशभर में 2.5 लाख से ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल हो रहा है। 98 प्रतिशत शहरी वार्डों में घर-घर कचरा संग्रहण हो रहा है और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 122.06 लाख मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 8,067 में से 90 प्रतिशत से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। इनमें स्मार्ट सड़कें, साइकिल ट्रैक, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, पानी और सीवरेज नेटवर्क अपग्रेडेशन और सार्वजनिक स्थानों का विकास शामिल है। इस पर करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

राबड़ी-तेजस्वी समेत 41 आरोपियों पर चलेगा मुकदमा, 9 मार्च से शुरू होगा डे-टू-डे ट्रायल

नयी दिल्ली : रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद आज पहली बार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लालू परिवार की भूमिका पर सुनवाई हुई। आरोप पत्र स्वीकार करने से पहले कोर्ट ने इसमें सिंडिकेट की तरह लालू परिवार के शामिल होने की प्रथम दृष्टया बात कही थी। अब दिल्ली में सुनवाई शुरू हुई और इधर बिहार में धड़कनें बढ़ गईं। खास बात यह भी कि इस केस में भले ही लालू प्रसाद यादव सबसे बड़ा नाम हैं, लेकिन सभी का ध्यान तेजस्वी यादव पर है। उन्हें सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी हुआ था। तेजस्वी पर सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान इसलिए है, क्योंकि वह राजद के कार्यकारी अध्यक्ष बनकर लालू के उत्तराधिकारी घोषित हो चुके हैं और महागठबंधन के सबसे बड़े नेता हैं। पिछले चुनाव में वह मुख्यमंत्री की दावेदारी भी कर रहे थे। गुरुवार को हुई इस सुनवाई के दौरान लालू यादव की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव कोर्ट में पहुंची, लेकिन बाकी लोग कोर्ट नहीं आए।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, नौ आईईडी बरामद

कांकेर : छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने थाना छोटेबेठिया थाना क्षेत्र से 5-5 किलो के 9 आईईडी बरामद कर मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया है। जवानों ने मौके से इलेक्ट्रिक वायर समेत अन्य नक्सली सामान भी बरामद किया है।

बाबा ग्रुप व चावल आढ़तिया के झारखंड-बिहार स्थित 45 ठिकानों पर आयकर छापा

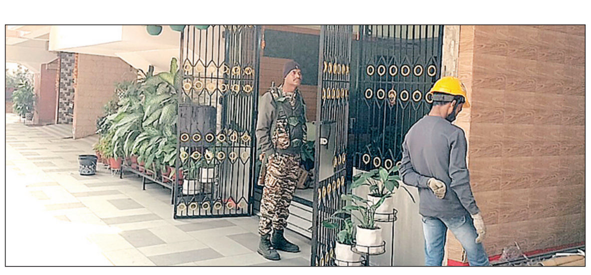

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आयकर विभाग ने बाबा ग्रुप और चावल के आढ़तिया के झारखंड व बिहार के कुल 45 ठिकानों पर छापा मारा। इससे राइस मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। संबंधित व्यापारियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट और अकाउंटस से जुड़े कुछ लोग फरार हो गए हैं। उन सभी की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा द्वारा सुबह करीब सात बजे से शुरू हुई इस छापेमारी में 500 अधिकारी शामिल हैं। समाचार लिखे जाने तक बाबा व आढ़तिया से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी जारी है। छापेमारी के दौरान चावल के कच्चा व्यापार से जुड़े दस्तावेज मिले हैं।

आयकर अधिकारियों का दल फिलहाल इसकी जांच कर रहा है। इसमें करोड़ों के व्यापार का लेखा-जोखा दर्ज है। छापेमारी के दो दिनों से अधिक समय तक जारी रहने की संभावना बतायी जाती है।

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन : परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने "अजित दादा अमर रहें" के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया।

इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के चाचा शरद पवार भी वहां मौजूद थे। वे पूरे समय चुपचाप बैठे रहे और अपने भतीजे को अंतिम विदाई दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पुणे से बारामती पहुंचे और पुष्पचक्र अर्पित किए।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि

नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया। वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा, 'आज, सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है। जैसा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3C जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है।'

'बीटिंग रिट्रीट' में सेनाओं के बैंड ने बजाईं मनमोहक भारतीय धुनें

एजेंसी

नयी दिल्ली : रायसीना हिल्स पर गणतंत्र दिवस के समापन के प्रतीक 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह में गुरुवार शाम तीनों सेनाओं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ने मधुर भारतीय धुनें बजाईं। विजय चौक पर दर्शक दीर्घा के समक्ष मनमोहक और जोशीली धुनें प्रस्तुत कर थल सेना, नौसेना, वायु सेना तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ने लोगों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया। राजधानी दिल्ली के दिल विजय चौक पर हर साल होने वाला 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मनाए

जा रहे समारोहों के समापन का प्रतीक माना जाता है। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तथा आम नागरिक इस प्रतिष्ठित समारोह के साक्षी रहे। इस वर्ष विजय चौक पर बैठने के लिए बनाए गए एंक्लोजर्स के नाम भारतीय वाद्य यंत्रों बांसुरी, डमरू, एकतारा, इसराज, मृदंगम, नगाड़ा, पखावज, संतूर, सारंगी, सारिंदा, सरोद, शहनाई, सितार, सुरबहार, तबला और वीणा के नाम पर रखे गए थे।

एक नजर

दो बच्चों की मां ने बड़ाकर में कूदकर दी जान

बरही : बरही के बराकर नदी में बीते देर शाम दो बच्चों की मां ने कूदकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतिका की पहचान अंजली कुमारी उम्र करीब 25 वर्ष पति सौरव बर्नवाल बरही थाना क्षेत्र के बरही पूर्वी पंचायत के बरही निवासी के रूप में हुई है। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची बरही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौरव और अंजली पांच साल पहले सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती हुई थी, जहां दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और विवाह कर लिया, ग्रामीणों के अनुसार दोनों दाम्पत्य जीवन में बहुत खुश थे। वहीं गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद अंजली का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया, इधर खबर लिखे जाने तक अंजली के परिजनों ने थाना में कोई लिखित शिकायत नहीं की है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रपत्र बिक्री शुरू

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चाईबासा में नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी माहौल बनना शुरू हो गया है। गुरुवार की सुबह अनुमंडल कार्यालय परिसर में बनाए गए प्रपत्र बिक्री केंद्र से प्रपत्रों की बिक्री की शुरूआत हुई। सबसे पहले देवी शंकर दत्ता उर्फ काबू दत्ता ने प्रपत्र खरीदा। इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए अनूप सुल्तानिया ने प्रपत्र लिया। वहीं सुनील प्रसाद साव ने भी प्रपत्र कार्ड पर पत्र करने के बाद प्रपत्र खरीदा। प्रपत्र खरीदने के बाद तीनों संभावित प्रत्याशियों ने मीडिया से बातचीत की। देवी शंकर दत्ता उर्फ काबू दत्ता ने कहा कि चाईबासा शहर कई तरह की जन समस्याओं से जूझ रहा है, जिनका समाधान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन मिला तो वे शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे। वहीं अध्यक्ष पद के लिए प्रपत्र लेने वाले अनूप सुल्तानिया ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शहर की मूलभूत सुविधाओं जैसे स्वच्छता, पेयजल, सड़क और बिजली व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान कराना ही उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा।

विकास कार्यों को लेकर कई ट्रेनों में बदलाव

पूर्वी सिंहभूम : विभिन्न मंडलों में चल रहे विकासात्मक कार्यों के कारण कई यात्री ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। इन परिवर्तनों का सीधा असर टाटानगर सहित झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र को जोड़ने वाली ट्रेनों पर पड़ेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद जताया है। रेलवे प्रशासन की ओर से गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार अद्रा मंडल में विकास कार्य के चलते 31 जनवरी 2026 को आसनसोल–अद्रा–आसनसोल मेमू पैसेंजर (68046/68045) को पूरी तरह रद्द किया गया है। वहीं टाटानगर से आसनसोल होते हुए बराभूम जाने वाली मेमू ट्रेन (68056/68060), जो 31 जनवरी 2026 को अपनी यात्रा शुरू करेगी, उसे अद्रा स्टेशन पर ही समाप्त किया जाएगा और वहीं से शॉर्ट ओरिजिनेशन भी किया जाएगा। इससे टाटानगर से यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

भाषा हमारी सोच, दर्शन और विश्वास का आईना है : पद्मश्री प्रो अन्विता अब्बी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोभाभावे विश्विद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग और केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय ₹विजन 2047: जनजातीय भाषा संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा₹ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। यह संगोष्ठी 29 से 31 जनवरी 2026 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विभावि कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। सभी अतिथियों को प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। साथ ही कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री प्रो अन्विता अब्बी ने गुरुवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में संबोधित करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट-जीपीटी के लिए जो नइ डिजिटल भाषाओं का विकास किया जा रहा है उसमें यदि जनजातीय भाषाओ की ज्ञान को शामिल किया जाए तो ऐसी भाषाएं परिपक्वता के साथ विकसित होंगी। मुंडारी जैसे ऑस्ट्रो-एशियाई भाषा, संस्कृत से भी पुराना है और डिजिटल प्रविधि में संस्कृत से ज्यादा सुसंगत है। उन्होंने आगे कहा की भाषा हमारी सोच, दर्शन और विश्वास का आईना होता है। जनजातियों की सोच क्या है यह उनकी भाषा के अध्ययन से समझा जा सकता है। परंतु इसके लिए आवश्यक है की भाषा को उनकी दृष्टि से देखी जाए। भाषा को केवल व्याकरण के नियम से नहीं देखिए। यह भी देखिए कि उसमें कितनी ज्ञान छिपी हुई है। भाषा का लुप्त होने का मतलब है समझने की शक्ति का लुप्त हो जाना। प्रोफेसर अब्बी ने बताया कि जनजातीय भाषाओं का पर्यावरण के साथ अंतरंग नाता है। एक को काटने से दूसरा भी लुप्त हो जाता है। इसी तरह अंडमान के जनजातियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि उनकी भाषा में आपदा प्रबंधन के सूत्र निहित थे। इसके कारण सुनामी में वहां एक भी जनजाति की मृत्यु नहीं हुई। जनजातीय भाषाओं की एक और विशेषता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा की भारत में वर्तमान में 1369 भाषा है जिसमें से लगभग 800 भाषाएं 'वाचक' है। इन भाषाओं में लिखित साहित्य के जैसा कोई दायरा या बंधन नहीं है। विशिष्ट वक्ता श्री रणेन्द्र ने अपने उद्बोधन में संस्कृत और मुंडारी भाषा के अंतर-संबंधों को दशार्या। उन्होंने बताया की ऋग्वेद के काल से संस्कृत पर मुंडारी का प्रभाव स्पष्ट दिखता है। संस्कृत के माध्यम से कई अन्य भारतीय भाषाओं पर मुंडारी का प्रभाव पड़ा। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय भाषाओं पर मानस के उपनिवेशीकरण का प्रभाव की भी चर्चा की। उन्होंने कई शब्दों का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे मुंडारी के शब्द दूसरे भाषाओं में उसी रूप में या रूप परिवर्तन कर शामिल किए गए हैं। उन्होंने ओल्ड टेस्टामेंट के फैमिली थ्योरी को खारिज करते हुए स्पेक्ट्रम थ्योरी को अधिक प्रामाणिक बताया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने बताया कि भाषा केवल वह नहीं है जो हम कहते हैं बल्कि वह है जो हम है।

बसरिया में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत स्थित पंचायत सचिवालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, हजारीबाग द्वारा कृषक महिलाओं के लिए दो दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय और उत्पादकता में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को उन्नत किस्म के बीजों का चयन, कीटनाशकों का सुरक्षित एवं संतुलित प्रयोग, तथा उन्नत पैदावार बढ़ाने के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती कर लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र में किसान मित्र राजेंद्र यादव सहित कृषि प्रशिक्षक खुशबू कुमारी, सीमा देवी, अफसाना बानो, नीलम देवी, संगीता देवी, सरस्वती देवी, पार्वती देवी, कविता देवी समेत बड़ी संख्या में कृषक महिलाएं शामिल हुईं। वही हरेंद्र गोप ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आधुनिक कृषि की ओर एक सशक्त कदम हैं।

बिना जमीन का भुगतान किये जमीन पर काम न करे एनटीपीसी पूर्व विधायक लोकनाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : किसान संघर्ष समिति के बैनर तले गैर मजरुवा भूमि का रैयती के समतुल्य मुआवजा भुगतान हेतु झंडा गडी कार्यक्रम रखा गया इसके तहत सीकरी,करी एवं सोनबरसा मौजा में आने वाले गैर मजरुवा जमीन पर लाल झंडा गड़ा गया। किसानो एवं रैयतो ने बताया की लाल झंडा गडकर हम एनटीपीसी को यह संदेश देना चाहते हैं कि इस जमीन का मुआवजा भुगतान नहीं हुआ है इसलिए इस पर डंपिंग या खनन का कार्य नहीं किया जाए। आपको बता दें पिछली 27 जनवरी दिन मंगलवार को किसान संघर्ष समिति ने यह निर्णय लिया था कि गैर मजरुवा भूमि का जब तक मुआवजा भुगतान रैयती के समतुल्य नहीं हो जाता तब तक हम लोग अपनी कंपनी को किसी भी कीमत पर नहीं देंगे। इसी मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग के सीकरी डंपिंग एरिया के सामने सोनबरसा,केरी, और सीकरी मौज में झंडा गड़ी कार्यक्रम रखा गया था । इसमें लोगों ने अपने-अपने जमीन के आगे लाल झंडा गाडा। इस कार्यक्रम की जानकारी कंपनी को जैसे मिली बैठक स्थल पर एनटीपीसी के दो अधिकारी गुंजन सिंह और उत्तम सिंह एवं त्रिवेणी सैनिक से संजोग पॉल बैठक स्थल पर पहुचे और रैयती एवं किसानो के समक्ष पूर्व विधायक लोकनाथ महतो के नेतृत्व में वार्ता हुई, जो सार्थक रही।

समाजसेवी सह भाजपा नेता ने अपने जन्मदिन पर बिरहोरों के बीच किया खाद्यान्न सामग्री का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड अंतर्गत खोड़ाआहार पंचायत के बिरहोर टोला केवाल में भाजपा नेता सह समाजसेवी मनोज कुमार साव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मानवता और सेवा की मिसाल पेश की। इस अवसर पर उन्होंने अपने परिवारजनों एवं मित्रों के साथ बिरहोर समुदाय के लगभग 50 जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया। खाद्यान्न सामग्री के तहत चावल, दाल, तेल सहित दैनिक उपयोग की आवश्यक खाद्य सामग्री जरूरतमंद बिरहोर परिवारों को उपलब्ध कराई गई। राशन पाकर बिरहोर परिवारों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था। इस मौके पर समाजसेवी मनोज कुमार साव ने कहा कि आज के समय में अधिकांश युवा अपना जन्मदिन होटल व पार्टियों में मनाते हैं, लेकिन उन्होंने संकल्प लिया है कि वे हर वर्ष अपना जन्मदिन गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा के रूप में मनाएंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके लिए सबसे बड़ा उपहार है। राशन वितरण के दौरान बिरहोर समुदाय के लोगों ने मनोज कुमार साव के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं स्थानीय ग्रामीणों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने उनके इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। भाजपा नेता मनोज कुमार साव का यह प्रयास समाज में सेवा, संवेदना एवं सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने वाला कदम बताया जा रहा है। कार्यक्रम में कैलाश कुमार साव, मनोज ठाकुर, संतोष कुमार भुईयां , संजय सिंहा, धर्मेंद्र कुमार, सत्यजीत नायक, रंजीत कुमार, मंजू देवी, नीलू देवी, दीपा कुमारी, मधुबाला कुमारी, वैभव गुप्ता, अभिनव गुप्ता समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

चोरी के डर से बिजैया, डपोक व भंडारों पंचायत के ग्रामीण रातभर कर रहे पहरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत बिजैया, डपोक एवं भंडारों के ग्रामीण घरों में चोरी होने के डर से रात में जग कर पहरा दे रहे है। गौरतलब हो कि 16 जनवरी को विजैया पंचायत के बैजलाडीह गांव में एक ही रात में चार घरों में चोरी हुई थी। चोरी की घटना के बाद से खुटवाटांड़ समेत आसपास के गांवों के ग्रामीण रात में जागकर पहरा दे रहे हैं। यह पुछे जाने पर कि यह सिलसिला कबतक चलेगा। ग्रामीण बताते हैं कि जबतक पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की गारंटी नहीं हो जाए, वे सभी लोग रात में जगकर पहरा देते रहेंगे। बरही के गुड़ियो विजैया पंचायत के गांव बरही थाना से 25 किमी से अधिक दूरी पर स्थित है। चोरी की घटना के बाद चोर पुलिस के आने के पहले ही फरार हो जाते हैं। सुदूरवर्ती गांवों के ग्रामीण विजैया पंचायत में पुलिस ओपी स्थापित करने की मांग पिछले कई वर्षों से करते आ रहे हैं। इस संबंध में पूर्व जिप प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष मो कयूम ने बरही प्रशासन से सुरक्षा के दृष्टिकोण से रात्रि के समय में गश्ती बढ़ाने की अपील की है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

सनराइज एकेडमी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बच्चों ने नृत्य गीत संगीत में दिखाई प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत करियातपुर में संचालित सनराइज एकेडमी में गणतंत्र दिवस एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में सम्मान सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता डोमन पांडे, वरिष्ठ शिक्षाविद् मुरली मनोहर प्रसाद, मुखिया नारायण यादव, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण प्रजापति, प्रदेश संगठन सचिव विपिन बिहारी पांडे, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र गिरी, शिक्षक ज्ञानी पंडित एवं विद्यालय के निदेशक सुरेश प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों को भारतीय संविधान की पुस्तक, अंग वस्त्र एवं पुष्प कुछ के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के द्वारा राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत कई नृत्य गीत संगीत की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही विद्यालय के बच्चों ने कुछ ऐसे नाटक का भी मंचन किया जो सामाजिक कुरीतियों से होने वाले परिणामों को दशार्या। पुलवामा हमला, दुर्गा माता की आरती, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाव से संबंधित कई कार्यक्रम पेश किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डोमन पांडे ने कहा की सनराइज एकेडमी के बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र प्रेम की भावना भी जागृत करवा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा की सनराइज एकेडमी के प्रबंधन एवं शिक्षकों में काफी प्रतिभा योग्यता एवं काबिलियत है । यही कारण है कि बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक गीत संगीत की प्रस्तुति दी गई। हालांकि उन्होंने शिक्षा विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा की कुछ लोग सनराइज एकेडमी को बढ़ने से रोकने के लिए असफल प्रयास किया, लेकिन प्रबंधन सत्य के रास्ते पर टिका रहा। इसलिए वह कभी भी डिगा नहीं और सत्य की जीत हुई और विद्यालय के अभिभावकों का समर्थन के कारण विद्यालय आज विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। इसके लिए उन्होंने सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया। विपिन बिहारी पांडे ने कहा वर्तमान समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण नहीं बल्कि बच्चों में संस्कार युक्त शिक्षा देना ही उनका मुख्य धर्म होनी चाहिए। विद्यालय के निदेशक सुरेश प्रसाद ने अतिथियों एवं अभिभावकों को आश्वस्त किया की सनराइज एकेडमी बेहतर शिक्षा देने के प्रति संकल्पित है और बच्चों की प्रतिभा दिखाने में वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं सहित सैकड़ों अभिभावक मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

चौबे पंचायत में भक्तिमय हुआ माहौल, श्री जानकी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर हुआ भव्य ध्वजारोहण

चालकुश : प्रखंड के चौबे पंचायत में श्री जानकी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पावन अवसर पर आज, दिनांक 29 जनवरी को विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मांगलिक अनुष्ठान के साथ ही पूरा क्षेत्र भक्ति के रस में सराबोर हो गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान पंचायत के समस्त भक्तजनों और मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'जय श्री राम' और 'जय जानकी' के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ धर्मध्वजा को नमन किया और यज्ञ की सफलता की कामना की। इस पुनीत अवसर पर मुख्य रूप से पंचायत के मुखिया कुमार अंशु, चलकुशा प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी, चालकुश पूर्व उप प्रमुख दुर्गा यादव और पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सुबोध चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए उप मुखिया चौबे-खिरोधर राणा, संतोष चौधरी, भोला रविदास, बालमुकुंद चौधरी, रामलखन सोनार, रामेश्वर चौधरी और भुवनेश्वर नायक ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और धर्म लाभ उठाया।

अफीम के खिलाफ सख्ती, दूसरे दिन में 100 एकड़ फसल नष्ट, कार्रवाई जारी

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस एवं वन विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। प्राप्त सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को ग्राम अंजन के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर करीब 100 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से लगी अफीम की फसल को चिन्हित करते हुए मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। अभियान के दौरान घटनास्थल से 14 डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, अवैध अफीम की खेती में संलिप्त लोगों की पहचान के लिए नाम-पता का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त अभियान में एसडीपीओ बरही अजित कुमार बिमल, बरही अंचल के पु0नि0 चंद्रशेखर, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी सहित एसआई सुबिन्दर राम, एसआई दिव्य प्रकाश, एएसआई बदल महतो, एएसआई कमरुद्दीन, सशस्त्र बल एवं वन विभाग से बनपाल रहे। पुलिस ने बताया कि दुर्गम इलाकों में ड्रोन की सहायता से अवैध खेती को चिन्हित कर लगातार विनष्ट किया जा रहा है। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फादर ए.टी. थॉमस हाई स्कूल में दसवीं के छात्रों को दी गई विदाई

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के ग्राम कोयलंग, लमकीटांड़ में संचालित फादर एटी० थॉमस हाई स्कूल में प्रधानाध्यापक गोविंद पासवान की अध्यक्षता में 10वीं कक्षा की छात्र छात्राओं का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा प्राप्त करने की सीमा अनंत है आप लगातार पढ़ाई जारी रखें, साथ ही उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया गया। मौके पर सहायक शिक्षक मुनेश्वर कुमार, पिंकी मिर्धा, शंकर दास, कैथरीन कुजूर, रशमी खलखो,आभा मिंज, संतोष कुमार उपस्थित रहे , वहीं प्राथमिक विद्यालय लमकीटांड़ के प्रधानाध्यापक बंशीधर मिर्धा, सहायक शिक्षक राजेश मिर्धा, राजू मिर्धा, मोनिका एक्का एवं छात्र-छात्राएं शामिल थे।

कारिमाटी में वैदिक श्री श्री 1008 श्री रुद्रमहायज्ञ एवं सत्संग प्रवचन का भव्य आयोजन 2 फरवरी से

बरही : प्रखंड अंतर्गत ग्राम कारिमाटी में वैदिक श्री श्री 1008 श्री रुद्रमहायज्ञ एवं सत्संग प्रवचन का विराट आयोजन आगामी 2 फरवरी से 10 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। महायज्ञ सेवा समिति कारिमाटी, बरही (हजारीबाग) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए विविध धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव ने बताया कि 2 फरवरी को प्रात: 7 बजे वेद पाठ, श्री गणेश गौरी पूजन एवं सर्व प्रारंभिक अनुष्ठानों के साथ होगी। प्रतिदिन वेद पाठ, यज्ञ मंडप पूजा, देवी-देवताओं की पूजा, हवन, आरती, पुष्पांजलि एवं रात्रि कथा प्रवचन का क्रम जारी रहेगा। 10 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ का समापन किया जाएगा, जिसमें सामूहिक हवन, भंडारा एवं प्रसाद वितरण होगा। वही 11 फरवरी 2026 को रात्रि 9 बजे दुगोला ला कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बिहार के प्रसिद्ध कलाकार विरेंद्र चौहान (सिवान) एवं उषा उड़ान (गोपालगंज) अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के सचिव संजय यादव, कोषाध्यक्ष विजय यादव, उपाध्यक्ष मनोज कुमार राणा उपसचिव नागेश्वर यादव, संयोजक विजय यादव, सह संयोजक सिकंदर कुङ्ग यादव मीडिया प्रभारी रविन्द्र कुमार यादव समेत पूरे समिति के सदस्यों ने कहा कि महायज्ञ क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं आध्यात्मिक चेतना के विस्तार हेतु आयोजित किया जा रहा है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं सनातनप्रेमी लोगों से सपरिवार पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

झारखंड देश के खनन क्षेत्र में निभा रहा है अहम भूमिका : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची में आयोजित द्वितीय संस्करण झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 के उद्घाटन अवसर पर कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यन्त समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखंड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के संकल्प के साथ विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिसमें झारखंड की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संसाधनों का उपयोग केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम-कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है। उन्होंने विकास और पर्यावरण, उद्योग और श्रमिक हित तथा आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का भविष्य सतत विकास, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित होना चाहिए। श्रमिकों की सुरक्षा, उनके कल्याण, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन-स्तर सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही, कंपनियों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत जन-कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने विश्वास व्यक्त किया कि इस माइनिंग शो के माध्यम से उद्योग जगत, नीति-निमार्ताओं, निवेशकों तथा श्रमिक संगठनों के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा तथा यहाँ से निकलने वाले निष्कर्ष झारखंड सहित देश के खनन एवं औद्योगिक क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेंगे। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने वहाँ लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान आज से, शुरू होगा रोगी खोज अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिले में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी 2026 से शुरू होगा जो 13 फरवरी 2026 तक चलाया जाएगा। यह जानकारी सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार ने गुरूवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से प्रारंभ होने वाला यह अभियान जिले के सभी प्रखंडों एवं गांवों में संचालित किया जाएगा। इसके साथ ही कुष्ठ रोगी खोज अभियान 2025झ्र26 के द्वितीय चक्र के तहत 9 मार्च से 23 मार्च 2026 तक घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी। डॉ. प्रभात ने कहा कि पिछले सात वर्षों में जिन गांवों में कुष्ठ रोगी नहीं मिले हैं, वहां भी स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर सर्वे करेंगे। कुष्ठ रोग पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। चिकित्सकीय मार्गदर्शन में नियमित दवा सेवन से मरीज पूर्णतः स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग की जांच, इलाज एवं दवाएं सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान गांव-गांव में ग्राम गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को शपथ दिलाकर कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। सिविल सर्जन ने आमजन से अपील की कि कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न करें, क्योंकि यह छुआछूत की बीमारी नहीं है और समय पर इलाज से पूरी तरह समाप्त हो सकती है।

रांची के डीएसपीएमयू में छात्र संगठनों का संयुक्त विरोध, प्रशासनिक भवन में तालाबंदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के प्रशासनिक भवन में गुरुवार को आदिवासी छात्र संघ, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) छात्र संघ और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने संयुक्त रूप से तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया। छात्र संगठनों के नेताओं ने बताया कि यह विरोध विश्वविद्यालय युवा महोत्सव स्पंदन के तहत केंद्रीय स्तर पर भेजे गए प्रतिभागियों के चयन में पक्षपात और अनियमितता के आरोपों को लेकर किया गया है। आदिवासी छात्र संघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को चरणबद्ध रूप से तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव स्पंदन का आयोजन 22 से 24 दिसंबर 2025 तक डीएसपीएमयू में किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया था। इसके बाद विभिन्न विधाओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को केंद्रीय युवा महोत्सव स्पंदन में भेजने का प्रस्ताव तैयार किया गया। छात्र संगठनों का आरोप है कि केंद्रीय स्तर के चयन में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। कई ऐसे लोगों को चयनित कर लिया गया, जो न तो विश्वविद्यालय स्तर के महोत्सव में शामिल थे और न ही डीएसपीएमयू के नियमित विद्यार्थी हैं। वहीं, कई योग्य आदिवासी विद्यार्थियों को जानबूझकर चयन सूची से बाहर कर दिया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ प्रोफेसरों के चहेते और एनएसएस से जुड़े छात्रों को अनुचित प्राथमिकता दी गई। मौके पर आजसू छात्र संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने चयन प्रक्रिया को अन्यायपूर्ण बताते हुए तत्काल सुधार और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि चयन सूची में सुधार नहीं किया गया, तो छात्र संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देंगे।

रांची के सेंट जेवियर्स स्कूल में 'एआई अनलॉक्ड वर्क स्मार्टर, नॉट हार्डर' पुस्तक का विमोचन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के डोरंडा स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में गुरुवार को 'एआई अनलॉक्ड : वर्क स्मार्टर, नॉट हार्डर' पुस्तक का विमोचन शैक्षणिक गरिमा और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस पुस्तक के लेखक डॉ. संतोष कुमार हैं, जो सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा में कंप्यूटर साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। पुस्तक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को सरल, सहज और उपयोगी भाषा में प्रस्तुत किया गया है, जिससे यह विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक का प्रकाशन थॉर्नटन प्रेस द्वारा किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. डी.के. सिंह, कुलपति, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एवं रांची यूनिवर्सिटी ने एआई के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके नैतिक उपयोग (एथिकल यूज) पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित मंत्री दीपिका पांडेय सिंह राजनीतिक व्यस्तता के कारण उपस्थित नहीं हो सकीं। उनका संदेश विद्यालय के डॉ. अभय सागर मिंज ने पढ़कर सुनाया। वहीं प्रोविंशियल फादर अजीत कुमार खेस का संदेश विद्यालय के प्राचार्य फादर फूलदेव सोरेंग की ओर से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फादर फूलदेव सोरेंग ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन फादर रवि भूषण खेस, उप-प्राचार्य ने किया। इस अवसर पर शिक्षाविदों, विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डॉ राधिका प्रसाद साहू की 125वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : राधिका मैदान, सिल्ली में राधिका स्मारक समिति की ओर से स्वर्गीय डॉ. राधिका प्रसाद साहू की 125 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ. राधिका बाबू अपने जीवनकाल में एक प्रसिद्ध चिकित्सक थे, जो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए जाने जाते थे। जयंती समारोह के अवसर पर दिनभर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सीनियर एवं जूनियर वर्ग के लड़के-लड़कियों के साथ-साथ महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलकूद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिल्ली प्रखंड प्रमुख जितेंद्र नाथ बड़ाइक, विशिष्ट अतिथि के रूप में सिल्ली के राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव तथा सिल्ली थाना एसआई रवि कुमार वर्मा उपस्थित रहे। शाम को खेलकूद कार्यक्रम के समापन के पश्चात डॉ. राधिका बाबू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में राधिका स्मारक समिति के अध्यक्ष भागवत सोनार सहित नागेंद्र नाग, भादुड़ी गोराई ,सोनू साहू, जगदीश गोराई, ऋषिकेश सोनार, कृष्णकांत मिश्रा, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, दिनेश बनर्जी, देबू सोनार,हरेंद्र गोराई, समीर सोनार, शुभम चंद, कुंदन गोराई, सोनू गोराई, मनोज विश्वकर्मा समेत अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

केसी वेणुगोपाल से मनरेगा, पेसा और ग्रामीण मजदूरों के मुद्दे पर हुई चर्चा : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), उसमें झारखंड की भूमिका, असंगठित क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों की भागीदारी तथा पेसा कानून को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पहले की तरह नियमित रोजगार उपलब्ध होता रहे, इसके लिए कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर आंदोलन के जरिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएगा। उन्होंने झारखंड में मनरेगा से जुड़े विभिन्न मुद्दों, मजदूरों के सामने आ रही चुनौतियों और रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरतों से संगठन महासचिव को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा लागू पेसा नियमावली के महत्व, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की कार्ययोजना पर भी गहन चर्चा हुई। मंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के तहत पारंपरिक ग्राम सभाओं को मिले अधिकारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में कांग्रेस संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। इसके अलावा मंत्री तिर्की ने झारखंड में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने, उन्हें नवाचार से जोड़ने और उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने की दिशा में चल रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी केसी वेणुगोपाल को दी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए और किसानों व मजदूरों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले, जिसके लिए केंद्र और संगठन स्तर पर समन्वय बेहद आवश्यक है।

एक नजर

बुद्धा पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

सिल्ली : बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में गुरुवार के दिन विद्यालय प्रांगण में कक्षा 10 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई साथ ही वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नृत्य कर सबका मन मोह लिया।कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का बहुत ही सुव्यवस्थित आयोजन किया एवं दसवीं के विद्यार्थियों को सम्मान के रूप में उपहार दिए।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के बीच आत्मविश्वास और अनुशासन के महत्व को बताया साथ ही कहा कि विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और राष्ट्रभक्ति का भाव भी प्रदान करता है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन के साथ उन्हें तकनीकी वह व्यवहारिक ज्ञान दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई थी जिसका सभी ने आनंद उठाया। इस मौके पर गोविंदर सिंह, नकुल बड़ाईक, अंजलि साहू, प्रिया दुबे, राहुल भद्रा, नकुल, सुषमा सिंह, महादेव, लंकेश्वर, विपुल राय समेत सभी विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री राधाकृष्ण मंदिर में एक फरवरी को लगेगा चिकित्सा शिविर

रांची : श्री राधा कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर में एक फरवरी रविवार को महाप्रसाद वितरण और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने गुरूवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। सर्राफ ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर में प्रत्येक रविवार को आयोजित अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा का पांच वर्ष पूर्ण हो जाएगा, इस अवसर पर एक फरवरी को 251वां अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा साथ में चिकित्सा शिविर का आयोजित होगा। श्री राधा रानी का अलौकिक भव्य श्रृंगार, भजन जागरण, सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया है। इसके अलावे भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया है। जिसमें ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर,वजन, पल्स ऑक्सीजन आदि की जांच की जाएगी। चिकित्सकों द्वारा जांच एवं इलाज के संबंध में मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील किया है।

मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन का हुआ आयोजन

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में रोड सेफ्टी मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। इस मैराथन में युवाओं, खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। मैराथन जिला प्रशासन और राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित की गई, जिसकी थीम सीख से सुरक्षा रखी गई थी। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों के हाथों में सड़क सुरक्षा से जुड़े स्लोगन और संदेश लिखी तख्तियां दिखाई दीं। इनमें सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव और ट्रैफिक नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया गया। आयोजन स्थल से लेकर पूरे मैराथन रूट तक सड़क सुरक्षा का संदेश गूंजता रहा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से 'बचपन बचाओ आंदोलन' के प्रतिनिधि की शिष्टाचार भेंट

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के सहयोगी राकेश सेंगर ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को कैलाश सत्यार्थी की आत्मकथा और नई पुस्तक करुणा द पावर ऑफ कंप्लशन तथा बाल ग्राम का 2025- 2026 का वार्षिक प्रतिवेदन सप्रेम भेंट किया। उन्होंने कैलाश सत्यार्थी की संस्था 'बचपन बचाओ आंदोलन ' द्वारा झारखंड में बाल अधिकारों के संरक्षण तथा बाल मजदूरी के खिलाफ किए जा रहे कार्यों, गतिविधियों और कार्यक्रमों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मौके पर दूरभाष के माध्यम से कैलाश सत्यार्थी जी के साथ संवाद भी किया और बच्चों के कल्याण और अधिकार के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस मौके पर मनोज कुमार भी मौजूद थे।

झारखंड के आठ जिलों में 3-4 फरवरी को बारिश की संभावना

रांची : झारखंड के आठ जिलों में तीन और चार फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, तीन फरवरी को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों (पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा) में हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं चार फरवरी को दक्षिणी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां) में बारिश की संभावना जताई गई है। विभाग ने बताया कि यह मौसम परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण हो रहा है। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह के समय कुहासा छाने की संभावना है, जबकि दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिसके बाद तापमान में फिर दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान 30 .8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 10 .8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल छाए रहे और हल्की ठंडी हवा चलती रही, जिससे लोगों को दिनभर ठंड का अहसास होता रहा। रांची में गुरुवार को अधिकतम तापमान 26 .8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 .1 डिग्री, जमशेदपुर में 29 .5 और 16 .2 डिग्री, डालटेनगंज में 28 .8 और 11 .6 डिग्री, बोकारो में 27 .5 और 15 .1 डिग्री, चाईबासा में 30 .8 डिग्री और 14 .6 डिग्री, खूंटी में 28 और 12 .8 डिग्री, लोहरदगा में 27 .4 डिग्री और 13 .5 डिग्री, लातेहार में 22 .8 और 11 .9 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 29 .9 डिग्री और न्यूगनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अनगड़ा मंडल में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन पर मंडल स्तरीय सम्मेलन

रांची : VB- G RAM G कार्यक्रम मंडल स्तरीय सम्मेलन अनगड़ा मंडल के पंचायत पैका और बोगंईबेडा.पंचायत के सिरपा में किया गया और VB- G RAM G के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मोदी की कल्याणकारी योजनाएं।की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेन्द्र कुमार महतो मंडल अध्यक्ष अनगड़ा सुनिल कुमार महतो ड इ उ मोर्चा जिलाध्यक्ष नरेश साहू अध्यक्ष जी उपाध्यक्ष परमेश्वर महतो ज्योतिष महतो जगतनरायण महतो उर्मिला देवी भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ह्यहाथों में लेकर निशान चलेंगे खाटूधाम भक्ति से गूंजा श्री श्याम मंदिर

राँची : श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में आज भक्तों की अपार भीड़ उम्र पड़ी जया एकादशी के शुभ अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दिव्य अनुपम दरबार सजाया गया मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्यों ने मिलकर बाबा को गुलाब रूप के इत्र से मालिश कर नवीन को सांग भाग पहनकर श्रृंगार किया मंगला आरती में नियमित भक्तों के दर्शन के अलावा एकादशी में आने वाले भक्तों की भी भारती प्रातः कालीन श्रृंगार आरती में भक्त हारे के सहारे की जय खाटूनरेश की जय जयकार से अपने आराध्य को मना रहे थे। श्रृंगार आरती के बाद भोग भजन गाकर भोग लगाया गया। प्रातः श्रृंगार आरती से ही लंबी लंबी लाइन मंदिर परिसर के अंदर और बाहर देखने को मिली। भक्त अपने हाथों में अर्जी लेकर खाटूनरेश की जय जयकार कर रहे थे। हजारों हजार की संख्या में श्याम मंदिर में भक्तों ने अर्जी लगाई 12 :15 बजे के बाद मध्यान विश्राम आरती के बाद पट मंगल किए गए। संध्या 4 :30 बजे जब पट खुले तो मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था। संध्या 5 बजे से निशान संकीर्तन की तैयारी श्याम सेवकों ने खाटू जाने वाले ध्वजा निशानों को बांधकर प्रारंभ किया। रात्रि 9 बजे मण्डल के निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी धर्मपत्नी अन्नपुर्णा सरावगी ने खाटू जाने वाले सभी ध्वजाओं का संकल्प पूजन अनुष्ठान विधि विधान से सम्पन्न कराया। रात्रि 9.30 बजे मंडल के उपाध्यक्ष श्री अशोक लड़ियां रेखा लड़ियां ने अपने परिवार के संग बाबा श्री श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेडा फल रबड़ी प्रसाद मगही पान का भोग लगाया। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम मित्र मण्डल का दल दो 2 फरवरी को विमान से रांची से दिल्ली होते हुए खाटू स्थित श्री श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन पहुंचेगा। 3 फरवरी को रिंग्स से 17 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए बाबा श्याम को निशान ध्वजा अर्पण करेगा। 4 फरवरी श्री श्याम अखण्ड ज्योति पाठ का आयोजन मंडल के विश्राम भवन में किया जाएगा । 5 फरवरी को सालासर में दर्शन पूजन एवं सालासर से यात्रा झुंझुनू की और अग्रसर होगी और संध्या पूजन दर्शन झुंझुनू में करेगी। 6 फरवरी को दल के सभी सदस्य खाटूधाम से दिल्ली और वापस रांची आयेगा।

एक नजर

पिपराडीह स्टेशन रोड के कुएं से सड़ी-गली अवस्था में अज्ञात शव बरामद

चंदवारा : चंदवारा थाना पुलिस ने चंदवारा थाना क्षेत्र के पिपराडीह स्टेशन रोड स्थित एक कुआं से सड़ी गली अवस्था में एक शव किया बरामद। शव की सूचना पर घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। देखने से बरामद शव बहुत दिन पुराना लग रहा है। थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने जब कुए में शव को तैरते हुए देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चंदवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला। शव की स्थिति बेहद खराब थी। शुरूआती जांच में पता चला कि शव बहुत दिन पुराना है। पुलिस ने शव का शिनाख्त कराने का प्रयास ग्रामीणों को बुलाकर किया। परंतु शव का शिनाख्त नहीं हो पाया। सड़ी गली अवस्था में पुलिस ने बरामद शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वही कयास लगाया जा रहा है कि लगभग 3 महीने पूर्व लापता दर्शील वर्णवाल का शव है हालांकि अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। वही मृतक के पैंट के जेब से एक मोबाइल भी पाया गया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मौत और शिनाख्त का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

अवैध कब्जे से परेशान मितल साव आज से करेंगे अनिश्चितकालीन धरना

जयनगर : जयनगर प्रखंड के तिलोकरी निवासी मितल साव पिता स्व लोचन साव अपने जमीन को बचाने के लिए अंचल कार्यालय पर 30 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कदम को उठाने का फैसला तब लिया, जब उनकी खरीदी गई जमीन पर अवैध कब्जा किया गया और घर का निर्माण शुरू कर दिया गया। मितल साव ने अनुमंडल पदाधिकारी कोडरमा और अंचल अधिकारी को एक लिखित आवेदन देकर बताया कि उनकी जमीन, जो मौजा तिलोकरी के खाता नंबर 41, प्लॉट नंबर 703 (रकवा 16 डिसमिल) और खाता नंबर 60, प्लॉट नंबर 695 (रकवा 12 डिसमिल) पर स्थित है, पर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया गया है। मितल ने यह भी कहा कि वह बार-बार अंचल कार्यालय और थाना का चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें कोई इंसाफ नहीं मिला, जिससे मजबूर होकर उन्होंने यह कदम उठाने का फैसला किया। उनका कहना है कि जब तक उनकी जमीन का सही तरीके से निपटारा नहीं किया जाता, वह धरने पर बैठेंगे। धरने के दौरान मितल और उनका परिवार अंचल कार्यालय जयनगर में एकत्र होंगे और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाएंगे।

शपथ-पत्र

मैं, पूजा देवी (PUJA DEVI) उर्फ पूजा कुमारी (PUJA KUMARI), उम्र लगभग 26 वर्ष, पति सुरेश साव, निवासी ग्राम - गुमो, पोस्ट-गुमो, थाना - तिलैया, वार्ड नं. 21, जिला - कोडरमा, झारखण्ड, शपथ पत्र संख्या-453/99 दिनांक- 08-01-2026 को यह घोषित करती हूँ कि :

1. मेरे आधार कार्ड संख्या 2922 2211 7172 में मेरा नाम पूजा देवी (PUJA DEVI) अंकित है, जो सही है।
2. मेरे बैंक खाता संख्या 483918210001902 (बैंक ऑफ इंडिया) में मेरा नाम पूजा कुमारी (PUJA KUMARI) अंकित है।
3. पूजा देवी (PUJA DEVI) एवं पूजा कुमारी (PUJA KUMARI) दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा वह व्यक्ति मैं स्वयं हूँ।

तिलैया थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब की बड़ी खेप बरामद, 274 लीटर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि तिलैया थानान्तर्गत ग्राम यदुटांड स्थित जीवलाल यादव के चाय / नास्ता दुकान में अवैध देशी शराब का भंडारण एवं बिकी की जा रही है तथा तिलैया बस्ती वार्ड नं0 4 शिवशांति नगर स्थित कामेश्वर यादव अपने अन्य सहयोगियों की मदद से काफी मात्रा में अवैध महुआ शराब का निर्माण एवं भंडारण कर बिकी हेतु रखा है। उक्त सूचना का सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, कोडरमा द्वारा पु०नि०-सह-थाना प्रभारी, तिलैया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा तत्परतापूर्वक बारी बारी से दोनों जगहों पर छापामारी की गयी, जिस क्रम में यदुटांड स्थित शिवलाल यादव के चाय / नास्ता दुकान से प्लास्टिक के बोतल एवं जार में रखा हुआ 07 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुआ तथा तिलैया बस्ती वार्ड नं0 4 शिवशांति नगर स्थित कामेश्वर यादव के घर से प्लास्टिक के कई जार में रखा हुआ 267 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुआ। इस प्रकार दोनों स्थानों से कुल 274 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया। जिसका अनुमानित कीमत 41000/- रुपए है। इन दोनों स्थानों पर पुलिस दबिश के समय इस घटना में संलिप्त रहे आरोपी फरार हो गये।

पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में तिलैया थाना कांड सं० 34/26, दि० 29.01.2026, धारा 272/ 274/ 275/ 292/ 318(4)/3(5) बी०एन०एस० एवं 47 (ए) (एफ) उत्पाद अधिनियम दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वही पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूध कडी कार्रवाई की जारी रहेगी।

हुरदा में किसान गोष्ठी का आयोजन नई वन उपज सहकारी समिति पर मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बानो : प्रखंड के ग्राम पंचायत जमताई सभागार में किसान गोष्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात पंचायत के मुखिया नमजन जोजो ने सभी किसानों एवम ग्रामीणों के अभिवादन करते हुए किया गया। मौके पर एमपीसीएस हुर्दा के सीईओ मनीष कुमार साहु ने, उपस्थित ग्रामीणों को सहकारिता के उद्देश को समझाते हुए,सिधकोफेड की कार्य योजना को विस्तार पूर्वक बताया गया। एवं नए सदस्यों को जोड़ने पर जोर दिया गया। मनीष साहु ने बताया सहकारी समिति की संजीवनी बूटी उसके सदस्य ही है। जिनके सहयोग से सहकारी समिति एक नए आयाम को तक पहुंच सकती है। कार्य प्रक्रिया को बताते हुए आगामी कृषि फसल हेतु खाद बीज व्यपार, वन उपज खरीदारी पर चर्चा की गई। मौके पर हरीश सिंह, बिनोद सिंह, चूमेश्वर साहु, कुशध्वज सिंह, कुश साहु, तुलसी साहु, दिनेश नायक, सुदेश सिंह, बीमल केरकेट्टा, बलदेव साहु, रसदु साहु, प्रवीन साहु, भोला साहु, मनोज बड़ाईक, रमेश सिंह, इत्यादि ग्रामीण किसान उपस्थित थे।

बरटोली-मांझा घाट-तवा पानी आज भी अंधेरे में, भाजपा नेता ने की विद्युत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : प्रखंड के कुलुकेरा पंचायत अंतर्गत ग्राम बरटोली, मांझा घाट, तवा पानी सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बिजली नहीं पहुंच पाई है, जिससे ग्रामीणों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर जनसमस्या को लेकर भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा ने सिमडेगा के विद्युत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात कर जल्द से जल्द विद्युतीकरण की मांग की। ज्ञात हो कि विगत दिनों बेसरा ने इन दुर्गम व पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से जाना था। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के अभाव में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, रात में गांव अंधेरे में डूबे रहते हैं और सुरक्षा की दृष्टि से भी गंभीर खतरे बने हुए हैं। मुलाकात के दौरान श्रद्धानंद बेसरा ने विभागीय अधिकारी को अवगत कराया कि सरकार की योजनाओं के बावजूद कई टोले व बसावटें विद्युतीकरण से अब तक वंचित हैं, जो प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने इन क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर प्राथमिकता के आधार पर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की।इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन पत्र भी विद्युत विभाग को सौंपे गए, जिसमें बरटोली, मांझा घाट, तवा पानी सहित अन्य क्षेत्रों में शीघ्र विद्युतीकरण की मांग दर्ज है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ने आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। श्रद्धानंद बेसरा ने कहा कि ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों का विकास भाजपा की प्राथमिकता है, और जब तक इन गांवों में बिजली जैसी मूलभूत सुविधा नहीं पहुंच जाती, तब तक वे ग्रामीणों की आवाज को मजबूती से प्रशासन व सरकार तक पहुंचाते रहेंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल सश्रम कारावास की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

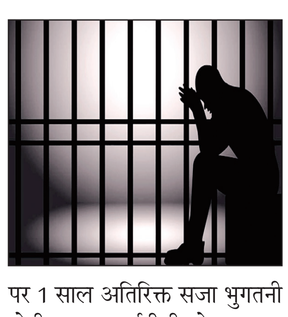

कोडरमा : नाबालिक को बहला-फुसलाकर, व डरा- धमका कर दुष्कर्म किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह स्पेशल पोक्सो न्यायालय के न्यायाधीश गुलाम हैदर की अदालत ने मंगलवार को स्पेशल पोक्सो केस नंबर 28 /2024 के आरोपी करण कुमार उर्फ करण कुमार साव, 26 वर्ष, पिता , भोंडो चंदवारा निवासी को 4(2) पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथ ही 10000 जुमार्ना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर 1 साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वही न्यायालय ने 6 पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथी 20000 जुमार्ना लगाया जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 1 साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। 354 आईपीसी के तहत 3 साल सश्रम कारावास एवं 3000 जुर्माना लगाया। 354(ए) (1) आइपीसी के तहत दोषी पाते हुए 2 साल, 354 (बी) आईपीसी के तहत 4 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इस प्रकार न्यायालय ने विभिन्न धाराओं में सजा के साथ -साथ कुल 38,000 जुमार्ना भी लगाया । सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जुर्माना की राशि पीड़ित को दी जाएगी। साथ ही न्यायालय ने पीड़ित मुआवजा स्कीम के तहत पीड़ित को मुआवजा दिलाने का भी निर्देश दिया। मामला वर्ष 2024 का है । इसे लेकर कोडरमा थाना में थाना कांड संख्या 116 / 2024 , नाबालिक के पिता ने मामला दर्ज कराया था। थाना को दिए आवेदन में कहा था कि उसके बड़े लड़के से जानकारी मिली की उसके भाई के साला के द्वारा उनकी नाबालिक पुत्री के साथ अकेला पाकर जबरन दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया साथ ही धमकी देता था कि किसी को बोलोगी तो तुम्हारे मां- पिताजी को जान से मार दूंगा। और वीडियो वायरल करने का धमकी भी देता था। इस प्रकार जबरन डरा धमकाकर 1 साल तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा । वही उसका वीडियो बाद में वायरल भी कर दिया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी गवाहों का परीक्षण कराया गया।

जंगली हाथियों का उत्पात घर व फसलों को किया बर्बाद, वन विभाग बेखबर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड के ओड़गा परबा, कुटुंगिया तथा टाटी पंचायत में हाथियों का उत्पात से ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ी हुई है। पिछले कुछ महीनो से हाथियों का लगातार गांव और आसपास के खेतों में धावा बोल रहा है विषम तबाही के बावजूद वन विभाग की छुपी और निष्क्रियता से ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। बीती रात हाथियों के झुंड से बिछड़े एक अकेले हाथी ने ओड़गा पंचायत के ओड़गा डोरीबाहर गांव में आ धमका, हाथी ने किसानों की मेहनत से तैयार फसलों को पैरों तले रौंद दिया, कुछ घरों की दीवारों को भी हाथी ने क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने मशाल जला कर और शोर मचा कर हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया। क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है वन अधिकारियों को कई बार सूचित किया गया लेकिन अब तक विभाग से कोई भी नहीं पहुंचे। विभाग की इस लापरवाही के कारण ग्रामीण को अपना जान जोखिम में डालकर खुद ही पहरेदारी करने को मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है कि हम लोगों के पास ना पटाखे ना मसाल जलाने के लिए तेल उपलब्ध रहता है और ना हमें विभाग के द्वारा दिया जाता है। वही किशोर जोजो, गांव रामजाडी के खेत में लगे मटर फूलगोभी को हाथी ने बुरी तरह रंग डाला। टाटी पंचायत के सेरंगदा गांव में नुवेल सुरीन के मकान को ध्वस्त किया। वही पैतानो में किशोर तुरी तथा दशमी बडाईक के घर को भी ध्वस्त कर दिया। ग्रामीणों ने विभाग से हाथियों को भगाने में एवं फसलों ओर घरों का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा पदाधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी, गैर संचारी रोग कोषांग डॉ. रमण कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा पदाधिकारियों एवं आर.बी.एस.के. के चिकित्सा पदाधिकारियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रमण कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण कोटपा अधिनियम, 2003 एवं कोटपा (झारखंड संशोधन) अधिनियम, 2021 तथा तंबाकू एवं उससे निर्मित उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देने एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि तंबाकू का दुष्प्रभाव केवल सेवन करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि निष्क्रिय धूम्रपान के कारण महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्ग भी गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। इससे पारिवारिक स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। तंबाकू सेवन केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक समस्या है।प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक डॉ. नीलमणि कुमार ने विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि तंबाकू एवं इससे निर्मित उत्पादों का सेवन मानव शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित करता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन, टार एवं अन्य हानिकारक रसायन गंभीर एवं दीर्घकालिक बीमारियों का कारण बनते हैं। तंबाकू सेवन का सबसे अधिक प्रभाव फेफड़ों पर पड़ता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई, दमा, टीबी एवं फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। इसके लगातार सेवन से हृदय की धड़कन अनियमित हो जाती है, उच्च रक्तचाप, हृदयाघात एवं स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा मुंह, गला एवं पाचन तंत्र भी तंबाकू से गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। तंबाकू सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होती है, जिससे व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ता है।राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला परामर्शी दीपेश कुमार ने बताया कि कोटपा अधिनियम, 2003 एवं कोटपा (झारखंड संशोधन) अधिनियम, 2021 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता, स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भूमिका एवं जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

संयुक्त विद्यालय वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव 2026 का हुआ आयोजन

सिमडेगा : जिले के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत रेंगारीह मिशन विद्यालयों के संयुक्त तत्वावधान में संयुक्त विद्यालय वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉन्वेंट विद्यालय की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के कर-कमलों से खेल महोत्सव का ध्वजारोहण किया गया। शांति और सौहार्द का संदेश देते हुए कबूतर व रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। चारों विद्यालय के विद्यार्थियों ने झारखंड की समृद्ध संस्कृति को दशार्ते हुए आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद आतिशबाजी की गूंज से पूरा क्षेत्र उत्सवमय हो उठा। बच्चों द्वारा मशाल लेकर मैदान का परिक्रमा किया गया तथा मशाल प्रज्वलन के साथ खेल महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर फादर सहदेव ने शिक्षकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन हम सभी के लिए हर्ष और प्रेरणा का दिन है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, आत्मविश्वास बनाए रखने और शिक्षा व खेल के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने का संदेश दिया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी केरसई, श्री ज्ञानमनी एक्का ने कहा कि खेलकूद से ही स्वस्थ शरीर और वैज्ञानिक सोच का विकास संभव है। जब शरीर स्वस्थ रहेगा, तभी हम बेहतर ढंग से पढ़ाई कर सकेंगे और नए विचारों व खोजों की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को जीवन की पहली आवश्यकता बताया। खेल महोत्सव के दौरान बड़े व छोटे बालक-बालिकाओं की रेले रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस सफल आयोजन में चारों विद्यालयों के प्रधानाचार्य, फादर, शिक्षक-शिक्षिकाएं, सिस्टर तथा सभी विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा। पूरे आयोजन ने खेल, अनुशासन और एकता का सुंदर संदेश दिया।

डोमचांच में बढ़े होल्डिंग टैक्स पर डीसी से मिले झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में दिन गुरुवार को समय 1:00 बजे डोमचांच नगर पंचायत के निवर्तमान उपाध्यक्ष पप्पू मेहता अत्यधिक बढ़े हुए होल्डिंग टैक्स के संबंध में उपायुक्त ऋतुराज से मुलाकात किया। निवर्तमान उपाध्यक्ष पप्पू मेहता ने उपायुक्त ऋतुराज को अवगत कराया की डोमचांच नगर पंचायत में जो वर्तमान होल्डिंग टैक्स का अत्यधिक बढ़ोतरी किया गया है जबकि अन्य शहरों में ऐसा नहीं है। यहां का होल्डिंग टैक्स रांची नगर निगम के तहत है। कई लोग अत्यधिक होल्डिंग टैक्स देने असमर्थ है, ऐसे में डोमचांच नगर पंचायत के आम जनों को विभागीय स्तर से राहत मिलनी चाहिए इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डोमचांच में आगामी नगर निकाय चुनाव का भी लोग बहिष्कार करने का मन बना चुके, जिस पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि शुक्रवार को डोमचांच के नगर प्रशासक से वार्ता कर बढ़े हुए होल्डिंग टैक्स के समस्या का जल्द निदान किया जाएगा।

इंडियन प्रोग्रेसिव स्कूल पातिशाले में विज्ञान प्रदर्शनी सह सम्मान समारोह का आयोजन

जयनगर : जयनगर पातिशाले स्थित इंडियन प्रोग्रेसिव स्कूल परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पंचायत समिति सदस्य धनेश्वर राणा ने किया इस दौरान स्थानीय मुखिया गणपत यादव, 20 सूत्री अध्यक्ष इस्लाम अंसारी अरमान खान, मुखिया इरफान अंसारी,अजय यादव, भोला यादव, राजकुमार पासवान, कुंदन यादव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण, मानव शरीर, स्मार्ट सिटी, आधुनिक तकनीक सहित कई विषयों पर आधारित मॉडल लगाए गए थे।

निकाय चुनाव की घोषणा के बाद बगैर अनुमति के नहीं निकलेगा जुलूस

रामगढ़ : नगर निकाय चुनाव की घोषणा के बाद रामगढ़ अनुमंडल क्षेत्र में डेली प्रचार और आमसभा पर रोक लगा दी गई है। एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने अनुमंडल क्षेत्र के संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र में धारा 163 लगा दिया है। उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति राजनीतिक दल, संगठन, प्रत्याशी की ओर से बिना अनुमति के न तो सभा कर सकेंगे और न ही ना ही जुलूस निकाला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जिनके पास हथियार होगा वे उसे चला नहीं सकेंगे है। एसडीओ ने बताया कि रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सभा और जुलूस में राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और प्रतिस्पर्धा के कारण मतदाताओं को प्रभावित और आतंकित किए जाने की भी संभावना है। इसलिए ऐसे मामलों पर तत्काल कार्रवाई होगी। इसके अलावा इस दौरान किसी सार्वजनिक व सरकारी संपत्ति पर नारा लिखना, पोस्टर और पंपलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झंडा लगाना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना प्रतिबंधित कर दिया गया है। चुनाव प्रचार के लिए संपत्ति के मालिक से अनुमति लेनी होगी।

एक नजर

नगरपालिका चुनाव के दौरान जन शिकायतों के लिए हेल्पलाइन सेवा शुरू

सरायकेला : जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह–उपायुक्त के निदेर्शानुसार नगरपालिका निर्वाचन–2026 के दौरान निर्वाचन संबंधी कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता तथा आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग को सक्रिय किया गया है। यह जन शिकायत कोषांग निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित शिकायतों, सूचनाओं, समस्याओं एवं असुविधाओं के त्वरित संज्ञान एवं समाधान हेतु कार्य करेगा। आम नागरिक नगरपालिका निर्वाचन–2026 से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा जानकारी के लिए टोल–फ्री दूरभाष संख्या 06597–234008 एवं 06597–1950 पर संपर्क कर सकते हैं। जन शिकायत कोषांग में प्राप्त शिकायतों का संबंधित पदाधिकारी/निवार्ची पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर कार्यालय अवधि में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक प्रशासनिक एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया निर्बाध, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके। जिला पनिर्वाचन पदाधिकारी –सह–उपायुक्त नितिश कुमार सिंह द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि नगरपालिका निर्वाचन–2026 से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत अथवा सूचना के लिए निर्धारित हेल्पलाइन संख्याओं का ही उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह विजय गार्डन की निवासी विवाहित महिला प्रियंका कुमारी ने गुरुवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों ने सिदगोड़ा थाना पहुंचकर हंगामा किया और प्रियंका के देवर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया। बताया गया कि मृतका का देवर अमन ऑस्ट्रेलिया में रहता है और वह दो दिन पहले ही यहां आया था। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि लगातार प्रताड़ना झेलते हुए प्रियंका ने यह दुखद कदम उठाया। प्रियंका के दो छोटे बच्चे हैं। उनकी शादी वर्ष 2017 में विजय गार्डन निवासी प्रशांत कुमार से हुई थी, जो टाटा स्टील में कार्यरत हैं। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल ने तीन दिवसीय पर्यावरण व स्वास्थ्य सम्मेलन का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और उनके बीच संबंध पर चर्चा की गई। राज्यपाल महोदय ने उद्घाटन संबोधन में कहा कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि आज औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, प्रदूषण और बदलती जीवनशैली के कारण मानव स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक नई चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। हवा, पानी, मिट्टी और भोजन के माध्यम से होने वाला प्रदूषण मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है, जिससे आनुवांशिक और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ बढ़ रही हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन केवल समस्याओं तक सीमित न रहकर उनके व्यावहारिक और प्रभावी समाधानों पर भी गंभीर विमर्श करेगा। राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और शोधकताओं से अपने ज्ञान और अनुसंधान को समाज के व्यापक हित से जोड़ने का आह्वान किया। माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनना चाहिए। शोध, नवाचार और बहुविषयी अध्ययन को प्रोत्साहित कर ही पर्यावरण, स्वास्थ्य और मानव कल्याण से जुड़े विषयों का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों से यह संदेश स्पष्ट होता है कि विकास और पर्यावरण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। राज्यपाल ने झारखंड की प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और युवा प्रतिभा की सराहना की और युवा शोधकताओं एवं विद्यार्थियों से जिज्ञासा, अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता के साथ शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी तीन दिनों में आयोजित चर्चा बौद्धिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से समाज के लिए उपयोगी और प्रभावशाली होंगी। साथ शोध कार्य करने का आह्वान किया तथा आशा व्यक्त की कि आगामी तीन दिनों में होने वाली चचाएँ बौद्धिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होंगी।

यूजीसी के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतर कर स्वर्ण महासंघ ने जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के हालिया फैसलों के विरोध में गुरुवार को स्वर्ण महासंघ के आह्वान पर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एकजुट होकर केंद्र सरकार एवं यूजीसी की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।
मौके पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यूजीसी की ओर से जारी किए गए नए नियम और नीतियां न केवल देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं, बल्कि सामाजिक संतुलन और निष्पक्षता पर भी प्रतिकूल असर डाल रही हैं। स्वर्ण महासंघ के नेताओं ने आरोप लगाया कि इन फैसलों से समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है और यदि समय रहते इन्हें वापस नहीं लिया गया, तो इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और उससे जुड़े निर्णय समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के आधार पर होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा फैसला आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। वक्ताओं ने सरकार और यूजीसी से मांग किया कि वे इन निर्णयों पर पुनर्विचार करें, अन्यथा आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। स्वर्ण महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस क्रम में प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल और केंद्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें यूजीसी के निर्णयों को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई।

उत्पाद विभाग की टीम द्वारा अवैध महुआ शराब अड्डों पर छापेमारी, 80 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

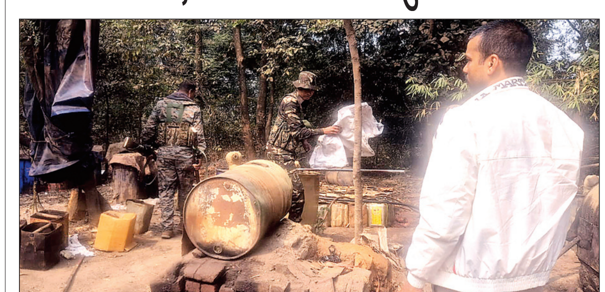

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : उपायुक्त सरायकेला-खरसावां के निदेर्शानुसार तथा अधीक्षक उत्पाद, सरायकेला-खरसावां क्षितिज विजय मिंज के निर्देशन में प्राप्त सूचना के आलोक में गुरुवार को राजनगर थाना अंतर्गत मुराकाटी एवं जोजोगोडा ग्राम में अवैध महुआ शराब अड्डों पर छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के क्रम में कुल 80.00 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद कर विधिवत जब्त की गई, जबकि 1200.00 किलोग्राम जावा महुआ को नियमानुसार विनष्ट किया गया। अवैध शराब अड्डा संचालक के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया गया है। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में अधीक्षक उत्पाद द्वारा बताया गया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध इस प्रकार के प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

ग्रामीण श्रमिक परिवारों के समग्र विकास की गारंटी है वीबी-जी राम जी योजना : मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : भारतीय जनता पार्टी पश्चिम सिंहभूम जिला इकाई की ओर से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन वीबी-जी राम जी का जिला सम्मेलन बासा बासाटोंटो स्थित बलिस बैंक्वेट हॉल में किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। उनके आगमन पर ढोल-नगाड़ों के साथ पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन में पार्टी की जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसे विशेष रूप से ग्रामीण श्रमिक परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इस योजना की जानकारी मंडल, पंचायत और बूथ स्तर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार इसका लाभ उठा सकें। वहीं मुख्य वक्ता अर्जुन मुंडा ने पश्चिम सिंहभूम जिले में पहली बार किसी आदिवासी महिला के जिला अध्यक्ष बनने पर गीता बालमुचू को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण श्रमिक परिवारों के समग्र विकास की गारंटी है और इसमें किसी भी प्रकार की राशि हेराफेरी की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार पर कोल्हान क्षेत्र से जुड़े कानून और पारंपरिक आदिवासी व्यवस्था की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। सम्मेलन को पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, जिला प्रभारी मनोज बाजपेयी और भूषण पाट पिंगुवा ने भी संबोधित किया।

क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वाले वाहनों पर डीटीओ ने कई वाहनों पर लगाया जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : शहर में क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलाए जा रहे वाहनों के खिलाफ जिला परिवहन पदाधिकारी गौतम कुमार के निर्देश पर गुरुवार को कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई लगातार मिल रही शिकायतों और वाहन चालकों और वाहन स्वामियों को पूर्व में कई बार समझाने के बावजूद नियमों का पालन नहीं किए जाने के बाद की गई। मौके पर डीटीओ ने बताया कि जांच के दौरान कई वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी ले जाते पाए गए, जिस पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए दर्जनों वाहनों पर जुमार्ना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को लेकर चलने वाले वाहनों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा परिवहन विभाग की प्राथमिकता है। बच्चे देश के भविष्य हैं और उन्हें सड़कों पर सुरक्षित रखना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। ऐसे में नियमों की अनदेखी कर छात्रों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जो भी वाहन चालक या स्वामी नियमों का उल्लंघन करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी वाहन चालकों और वाहन स्वामियों से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारी बैठाएं और यात्रियों, विशेषकर विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

संक्षिप्त खबरें

बड़की सरिया नगर निकाय चुनाव को लेकर एसडीएम ने दिए कई निर्देश

सरिया : नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही बड़की सरिया नगर पंचायत क्षेत्र में एसडीम संतोष गुप्ता केआदेश अनुसार धारा 163 निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। वहीं गुरुवार को एसडीएम श्री गुप्ता ने चुनाव को लेकर प्रेस बयान भी जारी किया है। जहां उन्होंने चुनाव से संबंधित कई बातों की जानकारी दी है। बताया कि बड़की सरिया नगर पंचायत क्षेत्र में पहली बार निकाय चुनाव होना है जिसमें कल 14436 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे जिसमें 7555 पुरुष मतदाता जबकि 6881 महिला मतदाता हैं इसके लिए सरिया नगर पंचायत क्षेत्र में कल 12 वार्डों में 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें एक संवेदनशील एक आतीसंवेदनशील शेष सामान्य मतदान केंद्र हैं। अध्यक्ष तथा वार्ड सदस्यों के नामांकन के लिए अनुमंडल कार्यालयमें तीन अलग–अलग काउंटर बनाए गए हैं। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए पर पत्र एसडीम कार्यालय से जबकि वार्ड1से6 के लिए ए आर ओ सरिया अंचल अधिकारी तथा वार्ड 7 से 12 के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोनीत किए गए हैं जिनके काउंटर से प्रपत्र की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं बताया कि 29 जनवरी से 4 फरवरी तक नामांकन संभव हो सकेंगे जबकि स्कूटनी 5 फरवरी नाम वापसी 6 फरवरी तथा प्रतीक चिन्ह का वितरण 7 फरवरी को होगा। वहीं निर्वाचन का कार्य 23 फरवरी को संपन्न कराए जाएंगे वहीं मतगणना 27 फरवरी को संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि मतगणना तक नगर पंचायत क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई है जिससे कि चुनाव कार्य शांतिपूर्ण संपन्न कराया जा सके।

बिडरा में 15 माघ को लगा टुसू मेला उमड़ी भीड़, झूमर संगीत में थिरके दर्शक

पटमदा : पटमदा के बिडरा गांव में 15 माघ को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाजसेवी सनत महतो द्वारा टुसू मेला का आयोजन करीब 26 साल से किया जा रहा हैं। इस वर्ष भी उल्लास के साथ मेला में ग्रामीणों का भीड़ उमड़ पड़ा। वही सभी ने बंगला झूमर संगीत का आनन्द उठाया। इस दौरान मेला कमिटी के सभी सदस्यों ने अपना योगदान मेला को सफल बनाने में किया। कार्यक्रम में आयोजक समाजसेवी सनत महतो सहयोगी के रूप आदित्य माहली ,गोपेश्वर रजक,केदार महतो,संजय महतो सहित बिडरा गांव के ग्रामीण सहित कई लोगों का मेला को सफल आयोजन में सराहनीय सहयोग रहा।

जन जागृति महिला समूह के पीडीएस दुकान में लाभुकों का प्रदर्शन

पटमदा : पटमदा प्रखंड के रांगाटांड स्थित जन जागृति महिला समूह के पीडीएस दुकान में सुंदरपुर के सैकड़ों लाभुकों ने बुधवार को जनवितरण प्रणाली दुकान संचालक समूह के द्वारा लाभुकों को कई माह का चावल अंगूठा का निशान ई पॉस मशीन में लेने के बाद वितरण नहीं करने का आरोप लगाया। जानकारी देते हुए कृष्णा महतो ने बताया कि महिला समूह द्वारा संचालित पीडीएस दुकान में सैकड़ों लाभुकों का चावल कई माह से भुगतान नहीं करने का मामला सामने आया है ।उन्होंने बताया कि डीलर के द्वारा जल्द लाभुकों का बकाया राशन वितरण करने की बात कही गई हैं। यदि जल्द से जल्द इस मामले को समाधान नहीं किया गया। तो ग्रामीण वरीय पदाधिकारी के पास शिकायत करते हुए प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। बुधवार को महिला समूह के दुकान में प्रदर्शन कर बकाया राशन वितरण की मांग की गई थी।

समाहरणालय, सिमडेगा
(जिला सामान्य शाखा)
–: आम सूचना :–

सिमडेगा जिला में आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 को स्वच्छ शान्तिपूर्ण एवं भयमुक्त तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयुध अधिनियम, 1959 एवं भास्त्र नियमावली, 2016 (यथा संशोधित) के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत सिमडेगा जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों एवं जिनकी अनुज्ञप्ति झारखण्ड राज्य के अन्य जिलों या अन्य राज्यों से निर्गत शस्त्र अनुज्ञप्ति पर धारित शस्त्र को संबंधित थाना/ओ0पी0 अथवा स्थानीय थाना प्रभारी को सूचित करते हुए अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र विक्रेता के पास (कतिपय मामलों को छोड़कर) दिनांक– 05.02.2026 तक जमा करेंगे। अन्यथा भास्त्र अनुज्ञप्ति में दिये गये शर्तों के उल्लंघन के आरोप में शस्त्र अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत आपके विरूद्ध कार्रवाई करते हुए निर्गत अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए शस्त्रधारी स्वयं जिम्मेवार होंगे। साथ ही पावती रसीद जिला सामान्य शाखा, समाहरणालय भवन ब्लॉक–A, (Email ID- sectiongenral@gmail.com) में देने का कष्ट करें।

PR.NO.371958 Simdega(25-26):D
जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, सिमडेगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, संकुल संसाधन व्यक्ति, प्रखंड संसाधन व्यक्ति सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों की कक्षा उपस्थिति में वृद्धि, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति तथा शिक्षकों की नियमित उपस्थिति एवं समयबद्ध अध्यापन कार्य पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित शिक्षकों एवं कर्मियों की सूची तैयार कर, विभागीय दिशा-निर्देशों के आलोक में उनके विरुद्ध निलंबन एवं बर्खास्तगी की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि सहसे बच्चे विद्यालयों में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन रोस्टरवार पूर्ण किया जाए तथा छूटे हुए शत-प्रतिशत बच्चों का आधार नामांकन एवं जन्म प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया में शीघ्रता लाई जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति लगातार कम पाई जा रही है,वहाँ जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। इस कार्य में स्थानीय पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी इएएड, BRP एवं CRP अपने-अपने नामित विद्यालयों का नियमित भ्रमण करें, शिक्षण की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति की समीक्षा करें तथा विद्यार्थियों की नियमित काउंसलिंग कर अध्ययन के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने का प्रयास करें। बैठक में ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति, आवासीय विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, तथा समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में उपलब्ध संरचनात्मक सुविधाओं, निर्माण एवं मरम्मति कार्यों तथा खेल-कूद गतिविधियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त,
हजारीबाग का कार्यालय हजारीबाग
(जिला पंचायत राज शाखा)

नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026

आयोग द्वारा अनुमोदित केन्द्र में संशोधन/पुनर्स्थापन (त्मसवबंजपवद) से संबंधित प्रस्ताव।
जिला– हजारीबाग।

पूर्व में अनुमोदित मतदान केन्द्र							मतदान केन्द्र में संशोधन का प्रस्ताव		
क्र0 सं0	नगरपालिका का नाम	वार्ड सं0	मतदान केन्द्र सं0	स्थापित मतदान केन्द्र का नाम एवं स्थल	मतदान केन्द्र से सम्बद्ध ग्राम/टोला का नाम	कुल मतदाताओं की संख्या	संशोधित/ पुनर्स्थापित मतदान केन्द्र का नाम एवं स्थल	सम्बद्ध ग्राम/टोला से मतदान केन्द्र भवन की दूरी	युक्तियुक्त कारण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	V हजारीबाग/02 हजारीबाग नगर निगम (वर्ग–ख)	27	27/1	राजकीय मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली (उत्तरी भाग)	बड़ा अखाड़ा	1055	बालिका मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली(उत्तरी भाग)	2 KM	मतदान केन्द्र भवन के नाम में परिवर्त्तन
2		27	27/2	राजकीय मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली (दक्षिणी भाग)	लोवर बडम बाजार	1318	बालिका मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली(दक्षिणी भाग)	2 KM	
3		27	27/3	मुनका बगीचा, धर्मशाला, (उत्तरीभाग)	न्यू कॉलोनी	1323	बालिका मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली (पूर्वी भाग)	2 KM	मतदान केन्द्र भवन का स्थल विवादित होने के कारण (पत्र की प्रति संलग्न)
4		27	27/4	मुनका बगीचा, धर्मशाला, (दक्षिणी भाग)	मुनका बगीचा, खजांची तालाब	1060	बालिका मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली(पश्चिमी भाग)	2 KM	
5		32	32/1	दिल्ली पब्लिक स्कुल, बड़कागॉव रोड, (उत्तरी भाग)	बडकागॉव रोड	1137	जी0डी0 गोयनका पब्लिक स्कूल, हजारीबाग, बड़कागॉव रोड(उत्तरी भाग)	2 KM	मतदान केन्द्र भवन के नाम में परिवर्त्तन
6		32	32/2	दिल्ली पब्लिक स्कुल, बड़कागॉव रोड (दक्षिणी भाग)	बडकागॉव रोड	1122	जी0डी0 गोयनका पब्लिक स्कूल, हजारीबाग, बड़कागॉव रोड(दक्षिणी भाग)	2 KM	
7		32	32/3	दिल्ली पब्लिक स्कुल, बड़कागॉव रोड (मध्य भाग)	सिरका रोड, भुईयॉ टोली	839	जी0डी0 गोयनका पब्लिक स्कूल, हजारीबाग, बड़कागॉव रोड(मध्य भाग)	2 KM	

PR 371901 Panchayati Raj(25-26)#D
जिला निर्वाचन पदाधिकारी
(नगरपालिका)–सह–उपायुक्त, हजारीबाग

शिक्षा बजट में समाज-विज्ञानों पर ध्यान देने की जरूरत

अंग्रेजों से स्वतंत्रता मिलने के समय भारत को एक पिछड़ा और तीसरी दुनिया का देश मान कर उसके लिए 'विकास' को जरूरी कदम ठहराया गया। इस क्रम में विकास को पश्चिमी देशों की स्थिति के अनुसार पहचाना और परिभाषित किया गया। इसके अनुरूप विकसित भारत के रूपांतरण के लिए आधुनिक भारत में शिक्षा की योजना में प्राकृतिक विज्ञानों और प्रौद्योगिकी पर ज्यादा बल दिया जाता रहा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण या मनोवृत्ति (साइंटिफि क टेम्पर) अपनाने की बात भी की जाती रही है। इसके लिए अभियान भी चले। आज भी यह फैशन में है और बहुतों की नजर में भारतीयता या भारतीय ज्ञान संपदा वैज्ञानिक मनोभाव के लिए खतरा है। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर भी विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पक्षों (जैसे-कानून, चिकित्सा, प्रबंधन आदि) की ओर भी ध्यान दिया गया, अनेक संस्थाएं खड़ी हुईं और अनेक उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थानों की नींव पड़ी और इसका क्रम आगे भी जारी है। आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे। सामाजिक विज्ञानों और मानविकी पर अध्ययन-अनुसंधान के लिए कोई खास तवज्जो नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विज्ञानों के लिए आवश्यक सुविधा और अनुदान के लिए सहयोग भी अपेक्षाकृत कम मात्रा में मिलता रहा। गौरतलब है कि समाज हर तरह के विकास की कसौटी है और लक्ष्य भी। अंततः सारी योजनाएं और आयोजन समाज की स्थिति को सुधारने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी होती हैं। सामाजिक परिवर्तन को किसी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर समाज में निरंतरता और परिवर्तन दोनों होते रहते हैं। ऐसे में समाज की गतिविधि और उसकी संस्थाओं को समझना और उनमें सुधार की निरंतर जाँच पड़ताल होती रहनी चाहिए। दरअसल, समाज का उद्विकास (इवोल्यूशन) होता है, यानी जो है उसमें से फिर पनपता है। बाहर से आरोपित होने पर वह आत्मसात नहीं हो पाता है। इसलिए बिना जाने-समझे परम्परागत ज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल प्राकृतिक विज्ञानों से ही सामाजिक विकास का लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता। समाज भी कई स्तरों पर संचालित होता है। समुदाय, देश के अंदर, देश के बाहर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसलिए समाज विज्ञानों और मानविकी का अध्ययन आवश्यक है। समाज गतिशील संरचना है। इसलिए समय के साथ सहयोग और संघर्ष भी बढ़ते हैं। शिक्षा समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है और भारत में अति प्राचीनकाल से इसकी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र और गुरुकुल रहे हैं। जब अंग्रेज आए थे तो उन्हें भारत में एक अच्छी शिक्षा मौजूद मिली थी। परंतु उन्होंने अपने शासन को स्थापित करने के लिए देश के मानस को बदलने की जरूरत महसूस की और ऐसी शिक्षा को यहाँ रोपा जो समाज को उसकी संस्कृति से काट दे। इसलिए औपनिवेशिक शिक्षा में अंग्रेजों ने अपने हित के अनुसार भारतीय शिक्षा को उखाड़ दिया था। वह हाशिए पर पहुँच गई और उसकी जगह पश्चिमी शिक्षा को स्थापित किया था। औपचारिक रूप से उसे आजीविका से भी जोड़ दिया गया। शिक्षा का माध्यम भी विदेशी भाषा अंग्रेजी को बना दिया गया। इसका अभ्यास लगभग दो सदियों में इस तरह सुदृढ़ किया गया कि भारतीय भाषाएँ अनौपचारिक प्रयोग का विषय बनकर रह गईं और शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए अंग्रेजी अनिवार्य हो गई। इस तरह विषय वस्तु, सिद्धांत और उसके अध्ययन और शोध के लिए माध्यम के रूप में अंग्रेजी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ता गया।

सूडोकु नवताल- 7690

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7689 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शिक्षा खौफनाक नहीं, बल्कि स्नेह एवं हौसलों का माध्यम बने

ललित गर्ग

जीवन को दिशा देने वाली शिक्षा यदि भय, हिंसा और दमन का पर्याय बन जाए तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना कही जाएगी। हाल के वर्षों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों पर बढ़ते दबाव, घर और स्कूल में हिंसक व्यवहार तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने शिक्षा की आत्मा पर गहरा आघात किया है। फरीदाबाद की उस हृदयविदारक घटना ने, जिसमें महज गिनती न सीख पाने के कारण एक मासूम बच्ची को पिता की क्रूरता ने मौत के मुंह में धकेल दिया, पूरे समाज को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस तरह खौफनाक होती पढ़ाई अब केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ी विडम्बना बनती जा रही है। इस तथाकथित शिक्षा की विकृत मानसिकता का भयानक परिणाम है कि आज भी यह माना जाता है कि डर और मार से बच्चों को बेहतर बनाया जा सकता है। ज्ञान की इस सदी में यह सोचना ही शर्मनाक है कि पढ़ाई के नाम पर किसी बच्चे से उसका जीवन, उसका बचपन, उसका आत्मविश्वास छीना जा सकता है। आज शिक्षा धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं से कटती जा रही है। परीक्षा परिणाम, रैंक, अंक तालिका और प्रतिस्पर्धा के आंकड़े शिक्षा का चेहरा बनते जा रहे हैं। अभिभावक अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों के नाजुक कंधों पर लाद देते हैं और स्कूल उन्हें प्रदर्शन की मशीन मानकर आंकने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चा पढ़ाई को उत्सव या खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक खौफनाक दायित्व के रूप में देखने लगता है। घर, जो सबसे सुरक्षित और स्नेहपूर्ण स्थान होना चाहिए, वहीं डर का अड्डा बन जाता है। स्कूल, जो जिज्ञासा और रचनात्मकता को पंख देने का माध्यम होना चाहिए, वह दंड और अपमान का स्थल बन जाता है। ऐसे में मासूम मन कहां जाए, किससे अपने भय और असहायता को साझा करे। मनोविज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तमाम अध्ययन यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंसा, डांट, डर और अपमान बच्चों की सीखने की क्षमता को नष्ट करते हैं। डर के माहौल में बच्चा न तो प्रश्न पूछ पाता है, न प्रयोग कर पाता है और न ही अपनी गलतियों से सीख पाता है। उसकी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे वह हीनभावना का शिकार हो जाता है और स्वयं को अयोग्य समझने लगता है। यह कुंठा केवल बचपन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे जीवन उसके व्यक्तित्व पर छाया की तरह मंडराती रहती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी जोखिम लेने से डरते हैं, अपनी बात रखने में संकोच करते हैं और जीवन की प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास के अभाव में पिछड़ जाते हैं। यह शिक्षा नहीं, बल्कि एक तरह का मानसिक शोषण है।

हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम हर बच्चे को एक ही मापदंड से आंकना चाहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट है। किसी की रुचि गणित में है तो किसी की कला में, कोई खेल में खिलता है तो कोई संगीत या साहित्य में। प्रकृति ने हर बच्चे को किसी न किसी विशेष क्षमता के साथ भेजा है, लेकिन हम उसे पहचानने की बजाय एक तयशुदा पाठ्यक्रम और अपेक्षाओं की बेड़ियों में जकड़ देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 ने बहुआयामी शिक्षा, रुचि आधारित सीख और मूल्यपरक दृष्टि की बात जरूर की है, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी अंक और रैंक की मानसिकता हावी है। कोचिंग संस्कृति, बोर्ड परीक्षाओं का भय और प्रवेश परीक्षाओं की दौड़ ने शिक्षा को और भी संकीर्ण बना दिया है। इसके साथ ही यह भी एक कटु सत्य है कि कई बच्चे जन्मजात, आनुवंशिक या परिस्थितिजन्य कारणों से सीखने में कठिनाई महसूस करते हैं। दृष्टि दोष, श्रवण समस्या, डिस्लेक्सिया, मानसिक तनाव या पारिवारिक अस्थिरता जैसी स्थितियां उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे बच्चों को सबसे अधिक समझ, धैर्य और सहारे की आवश्यकता होती है, लेकिन दुर्भाग्य से वही बच्चे सबसे पहले डांट और दंड का शिकार बनते हैं। शिक्षक और अभिभावक उनकी समस्या को समझने की बजाय उन्हें आलसी या अयोग्य ठहरा देते हैं। यह रवैया न केवल अमानवीय है, बल्कि भविष्य की पीढ़ी के साथ अन्याय भी है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना है। यदि शिक्षा अहिंसा, करुणा, सहानुभूति और आत्मसम्मान का पाठ नहीं पढ़ाती, तो वह अधूरी है। बच्चों को सिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम उदाहरण होता है। जब वे घर और स्कूल में संवाद, धैर्य और प्रेम देखते हैं, तभी वे भी वही मूल्य आत्मसात करते हैं। भय के वातावरण में पले बच्चे या तो दब्बू बन जाते हैं या फिर हिंसा को ही समाधान मानने लगते हैं। समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता के पीछे कहीं न कहीं वही शिक्षा व्यवस्था जिम्मेदार है जो संवेदनशील मनुष्यों के बजाय केवल प्रतिस्पर्धी उपभोक्ता तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बार-बार परीक्षा के तनाव को कम करने और शिक्षा को जीवन से जोड़ने की अपील इस बात का संकेत है कि समस्या गंभीर है। लेकिन केवल भाषणों और नीतियों से बदलाव नहीं आएगा। असली परिवर्तन तब होगा जब अभिभावक यह समझेंगे कि उनका बच्चा उनकी प्रतिष्ठा का साधन नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। जब शिक्षक यह मानेंगे कि उनका दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों में सीखने की ललक जगाना है। जब स्कूल प्रशासन दंड की संस्कृति छोड़कर सहयोग और परामर्श की व्यवस्था विकसित करेगा। और जब समाज यह स्वीकार करेगा कि असफलता भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई अपराध नहीं।

आज जरूरत है शिक्षा को फिर से मानवीय बनाने की। ऐसी शिक्षा की, जिसमें स्नेह अनुशासन का आधार हो, संवाद दंड का विकल्प बने और विश्वास भय की जगह ले। बच्चों को यह एहसास कराया जाए कि वे जैसे हैं, वैसे ही स्वीकार्य हैं और उनकी प्रगति का रास्ता उनकी अपनी गति से तय होगा। शिक्षा को अहिंसक दृष्टि से देखना केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि व्यावहारिक आवश्यकता भी है। क्योंकि जिस समाज की शिक्षा बच्चों को तोड़ती है, वह समाज कभी मजबूत नहीं हो सकता। मासूमों को डर नहीं, हौसले का संबल चाहिए; डांट नहीं, दिशा चाहिए; और हिंसा नहीं, विश्वास चाहिए। तभी शिक्षा सचमुच जीवन देने वाली बन सकेगी, जीवन लेने वाली नहीं।

नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल्स कॉन्फ्रेंस (एनपीएससी) भारत के 250 से ज्यादा प्रमुख प्राइवेट सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का एक प्रमुख एसोसिएशन है, शिक्षा की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए एनसीईआरटी और एनआईईपीए जैसे सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम करता है, जिसमें पॉलिसी सुधार, पढ़ाने-सीखने के तरीकों और सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। जिसका उद्देश्य शैक्षिक पहलों, टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन और मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को बेहतर बनाना। इसी से जुड़ी डॉ. उषा राम भारतीय स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक अनुभवी शिक्षिका और लीडर हैं, इसी तरह श्रीनिवासन श्रीराम द मान स्कूल, दिल्ली के प्रिंसिपल हैं, जिनके पास रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल शिक्षा और आईटी एडमिनिस्ट्रेशन में 30 से ज्यादा सालों का अनुभव है। मेयो कॉलेज में कंप्यूटर साइंस के पूर्व हेड होने के नाते, वे आईसीटी इंटीग्रेशन और इक्कीसवीं सदी की लर्निंग में एक्सपर्ट हैं। इन दोनों शिक्षाशास्त्रियों से कल ही प्लेटीनम वैली इन्टरनेशनल स्कूल में नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर सार्थक चर्चा हुईं। सर्वसम्मति यही सामने आयी कि आज सबसे बड़ा और चिंताजनक प्रश्न यह है कि जो शिक्षा जीवन निर्माण, चरित्र गठन और मानवीय मूल्यों के संवर्धन का माध्यम होनी चाहिए थी, वही शिक्षा धीरे-धीरे विध्वंस का कारक क्यों बनती जा रही है। जब शिक्षा सही दिशा में आगे नहीं बढ़ती, जब वह अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व और नैतिक विवेक से संपन्न नागरिकों का निर्माण करने में विफल रहती है, तब उससे निकलने वाली पीढ़ियां केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी संकट का कारण बनती हैं।

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाई: दुर्योग या विमानन व्यवस्था की कमजोरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है- संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती है: क्या विमान हादसे महज संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम या विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी?

भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40-50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती-मुंबई-दिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं।

लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कमर्शियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं- सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी।

अजित पवार की दुर्घटना हो या वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान- प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं। यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कमर्शियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पातीं।

चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाणपत्रों, पायलट रेस्ट-नॉर्म्स और हेलीपैड मानकों की अनदेखी सामने आई। राजनीतिक दलों द्वारा लिए जाने वाले तथाकथित 'पॉलिटिकल पैकेज'- कम कीमत, पुराने मॉडल- जोखिम को और बढ़ाते हैं।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या वास्तव में केवल नेता ही विमान हादसों में मरते हैं? उत्तर है- नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का फोकस हाई-प्रोफाइल चेहरों पर टिक जाता है। यही चयन-पूर्वाग्रह है- जो दिखता है, वही पूरा सत्य लगने लगता है। वैश्विक स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेह काचिंस्की, अफ्रीका और रूस में राष्ट्राध्यक्षों की हवाई दुर्घटनाएँ- हर जगह साजिश की थ्योरी पहले आती है, तथ्य बाद में। जबकि अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय भूल और सिस्टम फेलियर का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्य से सनसनीखेजी पत्रकारिता इन हादसों को 'राजनीतिक षड्यंत्र' में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी गहराता है।

समस्या मूलतः व्यवस्थागत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड विमानों की निगरानी के लिए संसाधन सीमित हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, पर उनका प्रवर्तन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड- तीनों में गंभीर सुधार की जरूरत है।

अब समय आ गया है कि शोक के बाद भूलने की परंपरा छोड़ी जाए। इसके लिए कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम अनिवार्य हैं।

सबसे पहले, राजनेताओं के लिए एक डेडिकेटेड एयर विंग विकसित किया जाना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय वायुसेना का वीवीआईपी बेड़ा संचालित होता है, जिसमें आधुनिक हेलीकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक आधारित प्रचार को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का दबाव घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, उड़ान से पहले तकनीकी जाँच और विमान रखरखाव पर जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली प्राइवेट कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए भी जिम्मेदार रिपोर्टिंग संबंधी स्पष्ट गाइडलाइंस तय हों, ताकि हर विमान हादसे को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके।

नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती- वह सत्ता संतुलन, नीतिगत निरंतरता और लोकतांत्रिक भरोसे को भी चोट पहुँचाती है। अजित पवार, वाई.एस.आर. या संजय गांधी- हर हादसा हमें चेतावनी देता है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर व्यवस्था का परिणाम हैं। अगर आज सुधार नहीं हुआ तो कल शोक केवल दोहराया जाएगा।

लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए- यह केवल एक भावनात्मक नारा नहीं बल्कि समय की ठोस माँग है। बार-बार होने वाले विमान और हेलीकॉप्टर हादसे यह स्पष्ट कर चुके हैं कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरी से जुड़ी है।

जब लोकतंत्र के प्रतिनिधि असुरक्षित साधनों से यात्रा करने को मजबूर होते हैं तो उसका दुष्परिणाम केवल एक परिवार या दल नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र को भुगतना पड़ता है।

नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीतियों में अस्थिरता और जनता के भरोसे में दरार पैदा करती है। इसके साथ ही साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थाओं को और कमजोर करती हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति से जोड़ा जाए। सुरक्षा मानकों में ढील, निगरानी की कमजोरी और जल्दबाजी में भरी गई उड़ानें घातक साबित हो सकती हैं।

सुधार आज होंगे, तभी कल शोक की पुनरावृत्ति रुकेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गांधी के विचार सदा विश्ववासियों के मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे

विजय केसरी

आज के ही दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की निर्मम हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या के पीछे सोच यह थी कि हाड़ - मांस से निर्मित गांधी के असमय दुनिया से विदा हो जाने के बाद गांधी युग का अंत हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गांधी जीवित रहकर जितना अपने विचारों को फैला सकते थे, मरणोपरांत भी उनके विचार लोगों तक पहुंचते रहे। गांधी मर कर भी अपने विचारों के बल पर आज भी लोगों से संवाद करते दिख रहे हैं। गांधी के विचार सदा विश्व मानव के मार्ग प्रशस्त करतें रहेंगे।

गांधीजी की राजनीति सत्य और अहिंसा पर आधारित है। उनका शरीर पंचतत्व में विलीन जरूर हो गया था, किंतु उनके विचार आज भी हमारे बीच मौजूद है। यह गांधी के जीवन की उत्कृष्टता है। उनके विचार कालजयी बन गए। गांधी के विचार सदियों तक आने वाली पीढ़ियों के मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। गांधी का जीवन कथनी का नहीं बल्कि करनी का था। आज की बदली परिस्थिति में महात्मा गांधी के जीवन को समग्रता में देखने और उनके विचारों पर चलने की जरूरत है। महात्मा गांधी हम लोगों की तरह ही एक साधारण व्यक्ति थे। लेकिन उन्होंने अपने कृतित्व के माध्यम से साधारण जीवन को एक असाधारण में बदल कर रख दिया था। उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया था, जो हम सब नहीं कर सकते थे। उन्होंने वही किया, जो हमारे धर्म ग्रंथों में वर्णित है।

धर्म - ग्रंथ हम सब जरूर पढ़ते हैं। विचार करते हैं। लेकिन उन विचारों पर पूरे मन से चल नहीं पाते हैं। महात्मा गांधी ने उन विचारों पर चलकर अपने जीवन को सफल बना दिया। गांधी के विचार कोई नूतन विचार नहीं है, बल्कि हमारे महापुरुषों ने जो कहा, अपने जीवन में अनुभव किया, सिखाया, उन्ही विचारों को महात्मा गांधी ने आत्मसात किया। महात्मा गांधी का जीवन हम सबों को सतत संघर्ष करना और जूझना सिखाता है। उनके जीवन में हार नाम की कोई चीज दिखती नहीं है। सतत संघर्ष का तात्पर्य यह है कि जीवन परेशानियों और कई जटिलताओं से परिपूर्ण होता है। अर्थात इन परेशानियों को पराजीत कर ही हम सब कुछ हासिल कर पाते हैं। हमारा सतत संघर्ष ही जीत दिलाती है। हममें से कई लोग थोड़ी सी परेशानी होने पर भाग खड़े होते हैं। गांधी कहते हैं, भागने की जरूरत नहीं है। परेशानियां आई है, तो समाधान भी निश्चित होगा। जीवन में आई परेशानियों से जूझना, मुकाबला करना ही श्रेष्यकर मार्ग है। गांधी को पढ़कर हम सबों के जीवन में सात्त्विक ओज और प्रखरता का संचार होता है। गांधी का जीवन बहुत ही सहज और सरल जीवन था। उनकी सहजता और सरलता की राह कोई आसान नहीं है। देखने में तो लगता है कि गांधी की राह बड़ी आसान है। सिर्फ और सिर्फ एक दिन के लिए गांधी के मार्ग पर चलकर देखें। उनकी सहजता और सरलता में कितनी शक्ति छुपी होती है। हम सबों के जीवन से सात्विकता खत्म होती जा रही है। यह बेहद चिंता की बात है। सात्विकता के अंदर एक जीवनी शक्ति छुपी होती है, इसके आत्मसात से एक नई ऊर्जा का संचार होती है।

गांधी का जीवन सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। गांधी आजीवन इस मार्ग पर चलें। वे जरा भी विचलित नहीं हुए। अहिंसा का तात्पर्य है, सौ प्रतिशत अहिंसा के मार्ग पर चलना। अहिंसा को अंतःकरण से आत्मसात करना। सत्य अर्थात जीवन में झूठ की रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं। सत्य और अहिंसा का मार्ग ही हमारे अंदर सात्त्विक ओज और प्रखरता को बढ़ाता है। गांधी को कई लोगों ने अधनंगा फकीर कहा। गांधी कम वस्त्र क्यों पहने थे? वे ऐसा कर क्या दिखाना चाहते थे? गांधी ने महसूस किया कि जिस देश के लोगों को आधे वस्त्र भी नसीब नहीं है,तो मैं पूरे शरीर पर वस्त्र कैसे धारण कर सकता हूं। इसलिए उन्होंने आम भारतीयों की तरह ही कम से कम वस्त्र धारण किया और पूरी शक्ति के साथ भारतीयों के साथ कदम से कदम मिलाकर स्वाधीनता आंदोलन को गति प्रदान किया। गांधी का जीवन सच्चे अर्थों में सतत संघर्ष और जूझने का सिख प्रदान करता है ।गांधी हमें उग्र और अतिवादी होने से बचाता है ।गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत में उग्र और अतिवादी का कोई स्थान नहीं है। आज हमारे नेतागण गांधी जी की बड़ी-बड़ी प्रतिमाओं में फूल माला चढ़ाते हैं। उनके जन्मदिन और पुण्यतिथि पर लंबे चौड़े भाषण देते हैं। लेकिन गांधी के सत्य और अहिंसा को अपने जीवन में कितना स्थान देते हैं? यह बड़ी बात है। आज नेताओं की थोड़ी सी आलोचना होने पर जवाब के तौर पर वे कितने उग्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, यह बात आज किसी से छुपी नहीं है। गांधी का जीवन निश्चित तौर पर कथनी का नहीं करनी का था। गांधी ने जो कहा उसे पूरा भी किया। वे आजीवन उस मार्ग पर चलते भी रहे।

उनका जीवन स्वयं सिद्ध जीवन था। स्वयं सिद्ध का तात्पर्य यह है कि उन्होंने जीवन को सहज, सरल रूप में जिया और सत्य और अहिंसा का दामन कभी नहीं छोड़ा। विपरीत परिस्थितियों में उनके कदम कभी लड़खड़ाए नहीं बल्कि पूरी शक्ति के साथ कदम आगे बढ़ते रहे थे। उन्होंने कभी दिखावा नहीं किया बल्कि शेष भारतीयों की तरह ही अपना संपूर्ण जीवन जिया। उन्होंने समय का बेहतर से बेहतर ढंग से सदुपयोग किया। उन्होंने स्वाधीनता का एक ऐसा आंदोलन अपने जिम्मे लिया, जो युगों बाद ऐसा आंदोलन हुआ था। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को अपने जीवन का उद्देश बना लिया था। उनका उठना, बैठना सोचना सब कुछ स्वाधीनता आंदोलन ही बन गया था।

दैनिक पंचांग

30 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

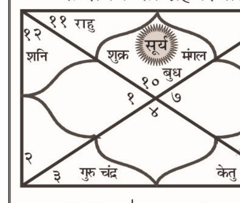

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	07.32 बजे से
मीन	09.05 बजे से
मेष	10.36 बजे से
वृष	12.16 बजे से
मिथुन	14.14 बजे से
कर्क	16.27 बजे से
सिंह	18.43 बजे से
कन्या	20.55 बजे से
तुला	23.06 बजे से
वृश्चिक	01.21 ब.से
धनु	03.37 बजे से
मकर	05.42 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 30 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 11.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 03.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 16.59 बजे को समाप्त। **करण** बालव 11.10 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 43' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872605 **जूलियन दिन** 2461070.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 10 **विशेष** प्रदोष व्रत, महात्मा गाँधी पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

प्रशासन की छापेमारी में 55 टन अवैध माइका जब्त

गिरिडीह : जिले के अभ्रक बाहुल्य तिसरी थाना इलाके में गुरुवार को माइका के अवैध स्टॉक को जब्त किया गया। जब्त स्टॉक करीब 55 टन है और इसका अनुमानित मूल्य भी 12 लाख रुपये से अधिक का बताया जा रहा है। बताया गया कि एसडीएम अनिमेष रंजन के निर्देश पर तिसरी के सीओ अखिलेश प्रसाद के नेतृत्व में एसआई लव कुमार और अंचल निरक्षक रितेश कैशरी सहित पुलिस बल की टीम ने तिसरी थाना इलाके चकलमुंडा स्थित दो घरों में अवैध माइका को लेकर छापेमारी की है, जहां से लगभग 55 टन माइका के साथ कई उपकरण जब्त किया गया है। इस दौरान जानकारी देते हुए सीओ अखिलेश प्रसाद ने बताया कि अवैध उत्खनन को लेकर विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को तिसरी के खिजुरी चकलमुंडा में भी छापेमारी की गई है, जहां एक घर में लगभग पांच टन माइका और एक अन्य घर में लगभग 50 टन माइका जब्त किया गया है और संबंधित कारोबारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और भंडारण के विरुद्ध अभी कार्रवाई लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

खूंटी : कर्रा प्रखंड के बिरदा ग्राम स्थित राजकीयकृत मध्य सह उत्क्रमित उच्च विद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) विकास भारती की ओर से गुरुवार को समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकडों बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जेएसएस के प्रभारी निदेशक राजेश शर्मा ने बालिकाओं को कौशल विकास के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक और जीवनोपयोगी कौशल बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बालिका दिवस के महत्व, बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य नागेंद्र तिवारी ने बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्राओं को जन शिक्षण संस्थान की ओर से मोमेंटो, प्रमाण-पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पाइप लदा ट्रेलर चुटूपालू घाटी में पलटा घंटों यातायात बाधित

रामगढ़ : रामगढ़-रांची मुख्यमार्ग 33 पर चुटूपालू घाटी में गुरुवार को पाइप लदा ट्रेलर पलट गया। इस घटना के बाद रांची से रामगढ़ आने वाली मार्ग घंटों जाम हो गई। हालांकि घटना में ट्रेलर चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार रांची से रामगढ़ की ओर आ रही ट्रेलर संख्या एनएल 01 एई 9894 घाटी में अनियंत्रित हो कर पलट गई। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एनएचएआई कर्मियों के सहयोग से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर और सड़क पर पड़ी पाइप को हटवाया। जिसके बाद यातायात चालू हुई।

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम को-ऑपरेटिव कॉलेज के तत्वावधान में एक्सएलआरआई में आयोजित इनवायरमेंटल म्यूटाजेनेसिस एंड एपिजेनेटिक्स इन रिलेशन टू ह्यूमन हेल्थ विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन ईएमएसआई (इनवायरमेंटल म्यूटाजेन सोसाइटी ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित किया गया है। इस अवसर पर राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण रोकथाम पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा और संवेदनशील है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, प्रदूषण और बदलती जीवन-शैली के कारण आज मानव स्वास्थ्य पर कई नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। हवा, पानी, मिट्टी और भोजन के माध्यम से होने वाला प्रदूषण मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है, जिससे आनुवांशिक और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं बढ़ रही हैं। राज्यपाल ने इस मौके पर उम्मीद जताई कि सम्मेलन केवल समस्याओं तक सीमित न रहकर उनके व्यावहारिक और प्रभावी समाधानों पर गंभीर विमर्श करेगा। उन्होंने वैज्ञानिकों और शोधकताओं से अपने ज्ञान और अनुसंधान को समाज के व्यापक हित से जोड़ने का आह्वान किया। संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि झारखंड के विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने तक सीमित नहीं रह सकते, बल्कि उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनना चाहिए। शोध, नवाचार और बहुविषयक अध्ययन को प्रोत्साहित कर ही पर्यावरण, स्वास्थ्य और मानव कल्याण से जुड़े विषयों का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे और पर्यावरण संरक्षण जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्यपाल ने झारखंड की प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और युवा प्रतिभा की सराहना की और युवा शोधकताओं एवं विद्यार्थियों से जिज्ञासा, अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता के साथ शोध कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी तीन दिनों में होने वाली चचाएं बौद्धिक, वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से प्रभावशाली सिद्ध होंगी।

राजद के जिला अध्यक्ष गुलजार अंसारी ने राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन की सदस्यता ग्रहण की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : 29 जनवरी 2026: राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन (रा प्र व यू) के केंद्रीय कार्यालय चित्रगुप्त निवास, छत्तर मांडू, रामगढ़ में एक महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, जिसने श्रमिकों और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत की। राजद के तीन बार के जिला अध्यक्ष गुलजार अंसारी अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किए, जिससे संगठन की ताकत और बढ़ गई। ओम प्रकाश सिन्हा ने सभी नए सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन का उद्देश्य श्रमिकों और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है, और इस दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। गुलजार अंसारी के साथ तौफीक अंसारी (जमीरा), इजाज, सलामत हुसैन, डॉक्टर जाफर, राजकुमार केशरी और अन्य नेताओं ने भी राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की, जिससे संगठन की सदस्यता में वृद्धि हुई। ओम प्रकाश सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन श्रमिकों और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, और इस दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने से हम अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं और अपने समुदाय को मजबूत बना सकते हैं। गुलजार अंसारी को कुज्जू क्षेत्र का संयोजक और तौफीक रजा को रजरप्पा क्षेत्र का संयोजक नियुक्त किया गया, जिससे संगठन की गतिविधियों को और भी मजबूती मिली। गुलजार अंसारी ने कहा कि वे राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन के साथ जुड़कर श्रमिकों और आम लोगों के हितों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन के केंद्रीय सचिव ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय कोषाध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राष्ट्रीय स्कूल हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूल हॉकी प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर-17 बालिका वर्ग के मैचों का आयोजन बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम, खूंटी में किया जा रहा है। देशभर से आई टीमों ने गुरुवार को मैदान पर दमदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया। प्रतियोगिता में पहला मैच मणिपुर और सीबीएसई के बीच खेला गया, जिसमें मणिपुर की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 7-0 से जीत हासिल की। दूसरे मैच में हरियाणा ने राजस्थान को 6-0 से पराजित किया। वहीं तीसरे मुकाबले में हिमाचल प्रदेश ने वेस्ट बंगाल को 7-0 से हराया। चौथे मैच में पंजाब ने आईपीएससी के खिलाफ एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 25-0 से बड़ी जीत दर्ज की, जबकि पांचवें मैच में एनवीएस और बिहार के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बिहार ने 2-1 से जीत हासिल की। इसके अलावा छठे मैच में तमिलनाडु ने तेलंगाना को 11-0 से हराया। सातवें मुकाबले में मिजोरम ने महाराष्ट्र को 7-0 से पराजित किया। आठवें मैच में दादर नगर हवेली ने मध्य प्रदेश को 1-0 से शिकस्त दी। वहीं नौवें मैच में उत्तराखंड के खिलाफ बिहार ने 2-0 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के संचालन में खूंटी जिले के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। उनके सहयोग से सभी मैच सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता को देखने के लिए स्थानीय खेल प्रेमियों की भी अच्छी उपस्थिति रही, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मो रियाज आलम, सिकन्दर पुरान, राजेन्द्र प्रसाद, शशिभूषण कन्डुलना, प्रवीण ए खलखो, ग्लेडशन गुड़िया, जोलेन तोपनो, अमृता कुमारी मेहता सहित अन्य का योगदान रहा।

स्वर्णकार कारीगर संघ का दो दिवसीय निर्जला उपवास शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : सोना और चांदी के लगातार बढ़ती कीमतों को देखते हुए गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी लगवाने के लिए तथा सोना चांदी को शेयर मार्केट से हटवाने सहित सोना एवं चांदी के सभी व्यापारियों एवं कारीगरों के पास मात्र 100 ग्राम सोना एवं पांच किलो चांदी रखने का आदेश भारत सरकार की ओर से जारी किये जाने के मामले में स्वर्णकार कारीगर संघ की ओर से धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर शुक्रवार से दो दिवसीय निर्जला उपवास अनशन शुरू किया गया है। निर्जला उपवास के द्वारा आंदोलन कर रहे स्वर्णकार कारीगर संघ के लोगों ने बताया कि इस आंदोलन के माध्यम से जनता एवं सरकार को जगाने एवं यह बताने की कोशिश की जा रही है कि आज गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज डियूटी हट जाने के कारण सोना एवं चांदी की बनी हुई जेवरात, रेडिमेट आभूषण अलग-अलग राज्यों से अवैध तरीके से तस्करी कर यहां लाया जा रहा है। जिसके कारण देश के लाखों सोना चांदी के गरीब कारीगरों को सोना चांदी का काम मिलना मुश्किल हो गया है। आज परिस्थिति ऐसी हो चुकी है कि देश के लाखों सोनार कारीगरो के परिवारो की स्थिति भूखमरी के कगार पर पहुंच गई है। ऐसा न हो कि देश के सोनार कारीगरो को मजबूर होकर आत्म हत्या करना पड़ जाए। स्वर्णकार कारीगर संघ ने सरकार एवं प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि सोना एवं चांदी पर सरकार कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी लागू करे। वहीं, धरना दे रहे स्वर्णकार संघ से मिलने पहुंचे पूर्व मेयर सह धनबाद मेयर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि कहा जाता था कि बड़े-बड़े व्यवसायी छोटे दुकानदारों को खा जाएंगे, यह उसी का जीता जागता उदाहरण है, आज बड़े बड़े कॉरपोरेट घरानों की वजह से गली-कूचों में दिखने वाले सोने-चांदी के दुकान आहिस्ता-आहिस्ता समाप्त होते जा रहें हैं।

सीसीएल की प्रतिष्ठित अंतरक्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता का भव्य आगाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चितरपुर : रजरप्पा क्षेत्र में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की प्रतिष्ठित अंतरक्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आज भव्य शुभारंभ हुआ, जिसने खिलाड़ियों के उत्साह और ऊर्जा को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। इस अवसर पर सीसीएल के 14 क्षेत्रों से आए कुल 230 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु सहभागिता की, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजीव सिंह, महाप्रबंधक, रजरप्पा क्षेत्र द्वारा दीप प्रज्वलन एवं झंडोत्तोलन के माध्यम से किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें आश्वस्त किया कि सीसीएल हमेशा उनके साथ है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आदिल हुसैन, वरीय प्रबंधक (खेल), सीसीएल मुख्यालय से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सीसीएल द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीसीएल खेलों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है और खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। कार्यक्रम में रजरप्पा क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्षों के साथ-साथ विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। दो दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन जेवेलिन थ्रो, 1500 मीटर दौड़ (पुरुष वर्ग), हैमर थ्रो, हाई जंप, शॉटपुट सहित कई खेल स्पधाएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। इस प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग को मिलाकर कुल 38 खेल विधाओं में प्रतिस्पधाएँ आयोजित की जा रही हैं।

रामगढ़ में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 30 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक चलाए जाने वाले स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान सह कुष्ठ रोग खोज अभियान द्वितीय चरण (9 मार्च से 26 मार्च 2026) के तहत गुरुवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान काय चिकित्सक सावन कर ठाकुर ने उपायुक्त, प्रभारी सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों को राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, कुष्ठ रोग के उपचार और रोकथाम हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, और 2027 तक कुष्ठ रोग के तहत जीरो स्टिग्मा का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उपायुक्त ने अभियान के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जाने वाले शिविरों के माध्यम से लोगों को कुष्ठ रोग से जुड़े भ्रांतियों को दूर करने, रोग की पहचान और त्वरित रूप से उपचार हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाने को लेकर जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा ग्राम सभा आयोजित करने, इन कार्यों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने, और विद्यालय स्तर पर बच्चों को कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी को जिले को कुष्ठ मुक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ने, कुष्ठ रोगियों की यथाशीघ्र पहचान हेतु हर संभव प्रयास करने, लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जिले में उपलब्ध संसाधनों का यथासंभव उपयोग करने, जो भी व्यक्ति कुष्ठ रोग से ग्रसित हैं उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने, ना ही किसी अन्य को इसकी इजाजत देने, व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और घृणा खत्म करने के लिए कार्य करने, और उन्हें मुख्य धारा में लाने हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान देने से संबंधित शपथ दिलाई। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन अभियान के तहत विगत 5 वर्षों में जिन भी गांव में कुष्ठ रोग से पीड़ित पाए गए हैं, उन गांवों में सर्वे किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रभारी सिविल सर्जन, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डीएमओ स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा पदाधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करना, रोग की पहचान और उपचार हेतु प्रेरित करना, और कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को मुख्य धारा में लाना है। हमें उम्मीद है कि इस अभियान के माध्यम से हम कुष्ठ रोग के प्रति लोगों की भ्रांतियों को दूर कर पाएंगे, और जिले को कुष्ठ मुक्त बनाने में सफल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ में स्वामी युगल शरण के 21 दिवसीय दार्शनिक प्रवचन का आयोजन

रामगढ़ : जगद्गुरुतम स्वामी कृपालु महाराज के मुख्य प्रचारक स्वामी युगल शरण द्वारा विलक्षण दार्शनिक धारावाहिक 21 दिवसीय प्रवचन का आयोजन रामगढ़ कैंट शहर के छावनी फुटबॉल मैदान में 31 जनवरी से 20 फरवरी तक शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे तक किया जा रहा है। सनातन धर्म के वास्तविक मर्म को जन जन तक पहुंचाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। स्वामी युगल शरण की आध्यात्मिक यात्रा ने उन्हें एक महान दार्शनिक और दूरदर्शी बना दिया है। उनके अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने उन्हें गूढ़ आध्यात्मिक सिद्धांतों को भी सरल और बोधगम्य रूप में समझाने की अद्भुत क्षमता दी है। उनके प्रवचन और शिक्षाएँ उन लोगों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक हैं जो बौद्धिक जिज्ञासा को आध्यात्मिक खोज से जोड़ना चाहते हैं। स्वामी युगल शरण का जीवन आत्म-अन्वेषण और भक्ति की शक्ति का जीवंत प्रमाण है। उनका जन्म 1963 में ओडिशा राज्य में हुआ था। उनका प्रारंभिक जीवन वैष्णव परंपराओं और आध्यात्मिकता में रचा-बसा था। परंतु ज्ञान की खोज उन्हें एक वैज्ञानिक मार्ग पर ले गई। उन्होंने भारत सरकार के अंतर्गत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में लगभग दस वर्षों तक सेवा की। हालांकि, उनकी आत्मा जीवन के गूढ़ रहस्यों और उद्देश्य की गहराई को समझने के लिए तरसती रही। इसी अंत:प्रेरणा ने उन्हें आत्म-खोज की राह पर ला खड़ा किया, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। स्वामी युगल शरण की आध्यात्मिक यात्रा में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब उनकी भेंट रासेश्वरी देवी से हुई, जो ब्रज गोपिका सेवा मिशन (ब्रगोसेमि) की संस्थापक अध्यक्ष हैं। उनकी साझा आध्यात्मिक आकांक्षाओं ने एक ऐसे साझे प्रयास को जन्म दिया, जिसने (ब्रगोसेमि) की नींव रखी। (ब्रगोसेमि) के सह-संस्थापक के रूप में स्वामी युगल शरण की बहुआयामी प्रतिभाओं ने मिशन के कार्यों को समृद्ध किया। उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण उनके आध्यात्मिक दृष्टिकोण में एक विशिष्ट संतुलन लेकर आया, जो (ब्रगोसेमि) की उस विशिष्ट शैली में प्रकट होता है जो आध्यात्मिक ज्ञान और तार्किक समझ के बीच एक सेतु का कार्य करता है।

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 : शांतिपूर्ण और पारदर्शी निर्वाचन के लिए प्रशिक्षण

रामगढ़ : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के सफल एवं सुचारु संचालन को लेकर निवार्ची पदाधिकारियों एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को समाहरणालय सभाकक्ष में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान नामांकन प्रक्रिया से संबंधित सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की गई। उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता द्वारा अधिकारियों को नामांकन से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाओं, दिशा-निदेशों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया निर्वाचन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसमें पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। मौके पर नामांकन पत्रों की जांच, प्राप्ति, स्क्रूटनी, आपत्तियों के निस्तारण, अभ्यर्थियों को दी जाने वाली सूचनाओं, दस्तावेजों के संधारण, निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुपालन एवं आदर्श आचार संहिता के पालन पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। साथ ही नामांकन से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे काउंटर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों एवं उनके प्रस्तावकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर भी चर्चा की गई। निर्वाचन आयोग के निदेशों का पालन करते हुए, प्रशिक्षण के दौरान सभी निवार्ची एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप करें, ताकि नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सके।

चितरपुर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ संज्ञा की माताजी का निधन

चितरपुर : चितरपुर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ संज्ञा की माताजी का देहांत रांची स्थित आवास में कल सुबह हो गया। 89 वर्षीय उनकी माता पिछले कई महीनों से उम्र संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। वो अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। स्वर्णरेखा नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से महाविद्यालय परिवार में शोक की लहर है। महाविद्यालय के सचिव शफीक अनवर ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि दु:ख के इस घड़ी में पूरा महाविद्यालय परिवार प्राचार्या के साथ है। डॉ संज्ञा की माताजी एक मजबूत स्तंभ थीं, जिन्होंने अपने परिवार को हमेशा प्यार और समर्थन दिया। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है, लेकिन उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी।

रास्ता बंद किए जाने के विरोध में बार एसोसिएशन का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

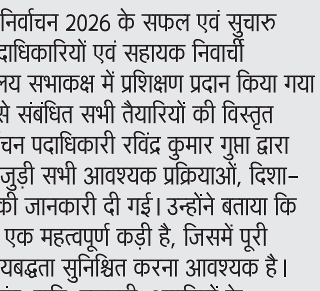

धनबाद : सदर अस्पताल के मार्ग को बंद किए जाने के विरोध में जिला बार एसोसिएशन गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया। अधिवक्ताओं के पेन डाउन के कारण धनबाद कोर्ट परिसर में न्यायिक कार्य ठप हो गया। इससे न्यायालय आने वाले आम वादकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन के अनुसार सदर अस्पताल परिसर से होकर बार भवन तक आने-जाने का महत्वपूर्ण मार्ग वर्षों से अधिवक्ताओं के आवागमन और वाहन पार्किंग के लिए उपयोग में था। लेकिन हाल ही में जिला प्रशासन ने उक्त रास्ते को बाउंड्री वॉल कर रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया। इससे अधिवक्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को असुविधा हो रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि बार एसोसिएशन भवन इसी मार्ग से जुड़ा हुआ है। रास्ता बंद हो जाने से अधिवक्ताओं के साथ-साथ न्यायालय आने वाले वादकारी पार्किंग और आवागमन को लेकर गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को लेकर जिला प्रशासन से कई बार बातचीत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। इस संबंध में बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि अधिवक्ता हमेशा कानून व्यवस्था और प्रशासन का सहयोग करते आए हैं, लेकिन प्रशासन का रवैया निराशाजनक है। जब तक रास्ता बहाल कर पार्किंग की स्थायी व्यवस्था नहीं की जाती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि एसोसिएशन की ओर से बुधवार को भी कोर्ट परिसर से रणधीर वर्मा चौक तक विरोध मार्च निकाल कर विरोध दर्ज किया गया था।

एक नजर

वेल्लोर से सकुशल बरामद हुई मिसिंग नाबालिग छात्राएं

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड थाना अंतर्गत बासमती गांव से विगत मंगलवार से दो नाबालिग बच्चियों के मिसिंग होने के संबंध में अमड़ापाड़ा थाना कांड 03/26, दिनांक 27.01.2026 प्रतिवेदित हुआ था। एसपी निधि द्विवेदी के नेतृत्व में की गई त्वरित कार्रवाई में दोनों छात्राएं नाबालिग आरोपी के साथ मिलीं। उक्त दोनों मिसिंग नाबालिक बच्चियों को आंध्रप्रदेश के नेल्लौर में ट्रैक किया गया, तत्पश्चात अन्य एजेंसियों यथा जी.आर.पी नेल्लौर एवं जिला पुलिस नेल्लौर के सहयोग से दोनों बच्चियों को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। वहीं उक्त कांड में संलिप्त 01 अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद उक्त दोनों बच्चियों को सकुशल उनके परिजनों के पास पहुंचाने की अग्रतर कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

जिला सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में सीनियर ए की टीम ने 4 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत गुरुवार को राजमहल ए बनाम सीएबी बरहरवा के बीच मैच खेला गया। क्रिकेट एकेडमी बरहरवा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.3 ओवर में 130 रन बना कर ऑल आउट हो गई। इशू डोकानिया ने 19 व मो सरताज आलम ने 41 रन की पारी खेली। राजमहल सीनियर ए के गेंदबाज अमित राज ने 3, अभिज्ञान ओझा ने 3 व वसीम अकरम ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी राजमहल सीनियर ए की टीम 24.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 136 रन बना कर 4 विकेट से मैच जीत लिया। मो मुजाहिद अंसारी व अमित राज ने 29-29, वसीम अकरम ने 24 व संतोष ने 19 रन की पारी खेली। सीए बरहरवा के गेंदबाज सरताज आलम ने 2 विकेट लिए।

33 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य जांच

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड में आरबीएसके के तहत प्रखंड के यूपीएस चपगांवा के 33 बच्चों का स्वास्थ्य जांच डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पंकज कुमार के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। चपगांवा आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहने के कारण बच्चों का स्वास्थ्य जांच नहीं हो सका। डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र पंडरिया में बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया। स्वास्थ्य जांच के तहत बच्चों का वजन, नाक, कान, कुपोषण, एनीमिया आदि की जांच कर निशुल्क दवाइयां दी गई। मौके पर एएनएम रेजिना हेंब्रम, प्रभावती हेंब्रम, कंचन माला मरांडी आदि थे।

राजमहल मुख्य मार्ग पर हादसा, ट्रक बिजली पोल से टकराई-आवागमन बाधित

साहिबगंज : राजमहल-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर कसवा के समीप उस समय अफरातफरी मच गई जब एक तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे के बाद मार्ग पर यातायात बाधित हो गया, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना की पेट्रोलिंग गाड़ी मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस द्वारा मार्ग को सुचारू कराने का प्रयास किया जा रहा है। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे विद्युत आपूर्ति पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

उधवा पक्षी अभयारण में जलज उद्भव जागरूकता एवं बिक्री केंद्र का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय वन्यजीव संस्थान के दिशा-निदेर्शों के क्रम में, प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत संचालित जलज परियोजना के तहत 27 जनवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के दौरान माननीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल द्वारा देशभर में स्थापित 25 जलज केंद्रों का औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में राज्यमंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी एवं वी. सोमन्ना की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने जलज परियोजना की सराहना की।झारखंड के साहिबगंज के उधवा पक्षी अभयारण में जलज उधव का स्थल पर उद्घाटन अरविंद मिश्रा, डॉ. सत्य कुमार झा, मुरारी सिंह, अमर कुमार मिंज, अखिलेश कुमार मरांडी, वन विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ किया गया। साथा ही प्रिया प्रजापति, राहुल राज, मीनातन दास के साथ गंगा प्रहरी उपस्थित थे। जलज उद्धव केंद्र के निर्माण में हमारे साहेबगंज जिला के वन मंडल अधिकारी प्रबल गर्ग ने पूर्ण सहयोग प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान, अरविंद मिश्रा ने क्षेत्र में परियोजना गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जलज टीमों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जमीनी स्तर पर दिखाई देने वाला प्रभाव जलज परियोजना के तहत किए गए संरचित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहलों की सफलता को दशार्ता है। इस कार्यक्रम में लगभग 43 गंगा प्रहरी, वनविभाग के सदस्य एवं ग्रामीण की सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि जलज परियोजना की प्रमुख पहलें जलीय प्रजातियों के संरक्षण, विशेष रूप से गंगा नदी में पाई जाने वाली प्रमुख जलीय जीवों की सुरक्षा, तथा नदी तटवर्ती समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने पर केंद्रित हैं। परियोजना का उद्देश्य ह्यअर्थ गंगाह्न की परिकल्पना को साकार करते हुए नदी, जलीय जीवों एवं स्थानीय समुदायों के बीच संतुलित एवं सतत संबंध स्थापित करना है। यह पहल गंगा नदी संरक्षण में स्थानीय समुदाय को जोड़ने के साथ साथ उनके आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हत्या आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाने में विगत दिनांक- 23.01.2026 को सूचना प्राप्त हुआ कि थाना अन्तर्गत ग्राम- खजुरडांगा के पास स्थित कुआँ में एक मृतक का शव पानी में तैर रहा है। तत्पश्चात हिरणपुर थाना एवं आस पास के ग्रामीणों के सहयोग से मृतक बहा मराण्डी उम्र करीब 14 वर्ष पिता बड़का मराण्डी ग्राम- खजुरडांगा, थाना- हिरणपुर, जिला- पाकुड़ का शव कुआं से निकाल कर विधिवत उसे पोस्टमार्टम हेतू भेजा गया। मृतक का शव का पोस्टमार्टम फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका में कराया गया है। दिनांक- 29.01.2026 को मृतक के पिता बड़का मराण्डी द्वारा टंकित आवेदन सौपा गया जिसके आधार पर हिरणपुर थाना कांड सं0-05/2026 दिनांक 29.01.2026 धारा- 103 (1)/238/3 (5) भारतीय न्याय संहित-2023 के तहत कांड दर्ज किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक निधी द्विवेदी के द्वारा टीम गठन कर छापामारी हेतू दिशा-निर्देश दिया गया। तत्पश्चात छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी के सहयोग से कांड के प्राथमिकी अभियुक्त अलबिनुश टुड्डू उम्र 19 वर्ष पिता- बैंजामिन टुडू सा०- खजुरडांगा, थाना- हिरणपुर, जिला- पाकुड को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। कांड में शामिल अन्य सहयोगी का सत्यापन किया जा रहा।

गिरफ्तारी व्यक्ति का नाम

अलबिनुश टुडू उम्र 19 वर्ष पिता बैंजामिन टुडू सा०- खजुरडांगा, थाना- हिरणपुर, जिला- पाकुड़

छामामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी

पु०अ०नि सह थाना प्रभारी विनय कुमार, पु०अ०नि० गौतम कुमार दास, पु०अ०नि० अमरजीत मिश्रा स०अ०नि० सनातन मांझी, स०अ०नि० साधन कर्माकर।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में महाविद्यालय के डॉ. अनिल कुमार को 'टीचर्स एकेडमिक अवार्ड' से सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : 28 व 29 जनवरी 2026 को एसआरटी कॉलेज धमरी में मल्टी डिसीप्लिनरी इंटरनेशनल सेमिनार ओं रिस्पांसिबल ए आईः टुवर्ड्स एथिक्स, गवर्नेंस, साइंटिफिक एंड ग्लोबल फ्रेमवर्क पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉक्टर अनिल कुमार, विभाग अध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज ने ए आई के विभिन्न पहलुओं जैसे कि उपयोग, हानियां, महत्व, केमिस्ट्री के क्षेत्र में उपयोग, क्लाइमेट के क्षेत्र में उपयोग, एनवायरनमेंट के क्षेत्र में उपयोग, मेडिकल साइंस आदि क्षेत्रों में होने वाले उपयोगी पर अपने वक्तव्य को रखा। डॉक्टर अनिल कुमार ने टेक्निकल सेशन को चेयर किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, डेनमार्क से भी शोधार्थियों ने अपनी बातों को साझा किया। एसआरटी कॉलेज, धमरी के प्राचार्य डॉक्टर शंभू प्रसाद एवं टफकॉन धनबाद के डायरेक्टर ने डॉक्टर अनिल कुमार को "टीचर्स एकेडमिक अवार्ड 2026 ""से सम्मानित किया। यह साहिबगंज कॉलेज के लिए एक गर्व की बात है डॉक्टर अनिल को अनेक अवार्ड से पहले भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर अनिल देश राज्य को अपनी सेवा शिक्षा एवं रिसर्च के क्षेत्र में सदा देते आ रहे हैं एक सशक्त डिजिटल भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। साहिबगंज कॉलेज के विभिन्न शिक्षकों ने भी इस सेमिनार में अपनी उपस्थिति दर्ज की डॉक्टर प्रमोद, डॉक्टर मरियम, डॉक्टर अनूप, डॉक्टर सिद्धाम सिंह मुंडा, डॉक्टर ध्रुव ज्योति सिंह, डॉक्टर अवस्थी, डॉक्टर संजीव सिंह, डॉक्टर चंद्रशेखर एवं अन्य छात्र-छात्राओं ने भी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर एस आर टी कॉलेज धमरी के प्राचार्य ने कहा छोटे शहरों में इस तरह का आयोजन होना उनके कॉलेज के लिए एक गर्व की बात है।

पेयजल एवं स्वच्छता योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, जल जीवन मिशन, जिला जल एवं स्वच्छता समिति एवं एसबीएम-जी से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत में डीसी ने पिछली बैठक में दिये गए निदेर्शों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी प्रखंडों में जलसाथियों के रिक्त पदों को ग्राम सभा के माध्यम से शीघ्र भरने का निर्देश दिया। डीसी ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, पृथक्करण केंद्रों की कार्यप्रणाली, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं- साहिबगंज मेगा जलापूर्ति योजना, साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना, तालझारी पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना, बोरियो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजन, मंडरो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना, साहेबगंज-गोड्डा-दुमका एमवीएस की वर्तमान स्थिति, प्रगति, पूर्ण/प्रक्रियाधीन योजनाओं और हैंडओवर लंबित योजनाओं की विस्तृत जानकारी कार्यपालक अभियंता से प्राप्त की। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी अपूर्ण योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक कितने घरों को पाइप जलापूर्ति से जोड़ा गया है, इसकी जानकारी लेते हुए उन्होंने लक्ष्य आधारित एवं गुणवत्ता युक्त कार्य निष्पादन पर जोर दिया।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के प्रथम दिन अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र क्रय किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगरपालिका निर्वाचन 2026 में साहिबगंज नगर परिषद अंतर्गत अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन पत्रों का क्रय किया गया। अध्यक्ष पद के लिए अशोक तुरी वार्ड नंबर 25 छोटा पंचगढ़, रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान वार्ड नंबर 22 सकरूगढ़, पंकज रजक वार्ड नंबर 18 पुरानी साहिबगंज ने नाजिर रसीद खरीदा। वही वार्ड के लिए वार्ड नंबर एक से रीना कुमारी, वार्ड नंबर दो से रंजन कुमार पांडे, सुशील भरतीया, रंजन कुमार सिंह, वार्ड नंबर चार से रेखा देवी व रौशन कुमारी, वार्ड नंबर छह से शेखर पासवान, वार्ड नंबर सात से आरती कुमारी रौनियार, वार्ड नंबर 10 से संतोष कुमार सिंह, कृष्ण कुमार पासवान, सुबोध कुमार, वार्ड नंबर 11 से सरिता कुमारी, चन्दन कुमार, आरती देवी, वार्ड नंबर 14 से विकास कुमार, वार्ड नंबर 15 से मो निजामुद्दीन, वार्ड नंबर 16 से अमृता कुमारी, वार्ड नंबर 18 से श्रुति कुमारी व किरण कुमारी, वार्ड नंबर 19 से वर्षा कुमारी, वार्ड नंबर 20 से दीपा देवी, नियति देवी, रिमझिम कुमारी व शिला कुमारी, वार्ड नंबर 21 से मिथुन कुमार, वार्ड नंबर 22 से गोपाल कृष्णा भास्कर व संजीव कुमार चौधरी, वार्ड नंबर 23 से मनोज तांती, रूपेश कुमार व लोकनाथ चौधरी, वार्ड नंबर 25 से आरती कुमारी, वार्ड नंबर 26 से पूनम किरण चौरसिया व चमरू उरांव, वार्ड नंबर 27 में अंजली कुमारी, सुमित्रा देवी ने नाजिर रसीद खरीदा। जहां नामांकन के प्रथम दिन किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत पचुवारा नॉर्थ कोल माइंस में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में जनवरी माह के दौरान मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर 29 जनवरी 2026 को पचुवारा नॉर्थ कोल माइंस के कोयला लोडिंग प्वाइंट के समीप एक व्यापक सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कोयला परिवहन में लगे ट्रक चालकों एवं सहायकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनका स्वास्थ्य परीक्षण करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी चालकों एवं सहायकों का स्वास्थ्य जांच भी की गई। कार्यक्रम में Mithlesh Choudhary, जिला परिवहन पदाधिकारी, पाकुड़ तथा Ausaf Khan, अंचल अधिकारी, अमड़ापाड़ा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने अपने संबोधन में ट्रक चालकों को सुरक्षित वाहन चलाने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सीट बेल्ट पहनने, ओवरटेकिंग से बचने तथा ट्रकों को अनिवार्य रूप से तिरपाल से ढककर चलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क केवल भारी वाहनों की नहीं है, बल्कि अन्य वाहन चालकों की भी है, जिनके प्रति सम्मान और सावधानी बरतना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रभावित ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को हेलमेट वितरित किए गए। कुल मिलाकर 200 हेलमेट, 200 टी-शर्ट, 200 कैप एवं 200 फर्स्ट एड किट का वितरण किया गया। साथ ही कंपनी द्वारा जिला परिवहन कार्यालय, पाकुड़ को 3 ब्रेथ एनालाइजर एवं फर्स्ट एड किट भी प्रदान किए गए, जिससे सड़क सुरक्षा प्रवर्तन एवं आपातकालीन सहायता को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण कंपनी की सीएसआर पहल के तहत अमड़ापाड़ा स्थित कौशल विकास केंद्र के विद्यार्थियों को एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस का वितरण रहा। यह पहल स्थानीय युवाओं को वैध एवं सुरक्षित ड्राइविंग के माध्यम से रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कंपनी ने यह भी घोषणा की कि शीघ्र ही एचईएमएम सिम्युलेटर स्थापित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से परियोजना प्रभावित लोगों को भारी वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे आवश्यक कौशल अर्जित कर देश के किसी भी हिस्से में रोजगार प्राप्त कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

हिरणपुर में दिन के उजाले में बालू माफिया कर रहें अवैध कारोबार

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर और लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्रों में बालू का अवैध कारोबार खुलेआम जारी है। आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से सफेदपोश नेता और बड़े कारोबारी नदियों से धड़ल्ले से बालू का अवैध उठाओ कर रहे हैं। हाथीगढ़, बिंझा, सूरमा पहाड़ और आसपास के आदिवासी टोला क्षेत्रों से दर्जनों वाहन प्रतिदिन बालू की ढुलाई में लगे हुए हैं। प्रशासन की कार्रवाई सिर्फ दिखावा सूत्रों के मुताबिक प्रशासन की ओर से कभी-कभार की जाने वाली छापेमारी महज खानापूर्ति साबित हो रही है। छापे के दौरान एक-दो वाहनों को पकड़कर जुमार्ना वसूला जाता है, जिसके बाद वही वाहन फिर से अवैध ढुलाई में लग जाते हैं। कई बार एक ही वाहन को बार-बार पकड़े जाने के बावजूद उस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती। बिचौलिया के इशारे पर चलता है पूरा नेटवर्क जानकारी के अनुसार बालू के इस अवैध धंधे को एक बिचौलिया नियंत्रित करता है, जो वाहन चालकों से वसूली करता है और पूरे नेटवर्क को संचालित करता है। कई ट्रैक्टर संचालकों को पहले ही सूचना मिल जाती है कि कब और कहां छापेमारी होने वाली है, जिससे वे समय रहते सतर्क हो जाते हैं। सरकार को राजस्व का नुकसान हालांकि सरकार की ओर से बालू और लघु खनिजों के आवंटन पर रोक लगी हुई है, फिर भी अवैध खनन बेरोकटोक जारी है। इससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, जबकि स्थानीय स्तर पर कुछ लोग इससे लाभ कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक प्रशासन पूरी सख्ती और ईमानदारी से कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक बालू के इस अवैध कारोबार पर रोक लगाना मुश्किल होगा।

जया एकादशी पर निकली खाटू श्याम की निशान यात्रा

साहिबगंज: शहर में श्री श्याम भक्त मंडल की ओर से गुरुवार को जया एकादशी के मौके पर खाटू श्याम की भव्य निशान शोभा यात्रा निकाला गया। जहां निशान शोभा यात्रा पूरे नगर भ्रमण कराया गया। निशान शोभा यात्रा स्थानीय चौक बाजार स्थित श्री रामनाथ ठाकुरबाड़ी परिसर से निकाली गई। जहां निशान शोभा यात्रा में काफी संख्या में महिला व पुरुष शामिल हुए। नगर भ्रमण के बाद निशान शोभा यात्रा पुरुषोत्तम गली स्थित श्री श्याम मंदिर में संपन्न हुई। इसके बाद मंदिर में पूजन आदि करने के बाद प्रसाद आदि का वितरण किया गया। वही मंदिर में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं आए हुए थे।

जिला सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में राजमहल सीनियर ए की टीम ने 4 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत गुरुवार को राजमहल ए बनाम सीएबी बरहरवा के बीच मैच खेला गया। क्रिकेट एकेडमी बरहरवा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.3 ओवर में 130 रन बना कर ऑल आउट हो गई। इशू डोकानिया ने 19 व मो सरताज आलम ने 41 रन की पारी खेली। राजमहल सीनियर ए के गेंदबाज अमित राज ने 3, अभिज्ञान ओझा ने 3 व वसीम अकरम ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी राजमहल सीनियर ए की टीम 24.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 136 रन बना कर 4 विकेट से मैच जीत लिया। मो मुजाहिद अंसारी व अमित राज ने 29-29, वसीम अकरम ने 24 व संतोष ने 19 रन की पारी खेली। सीए बरहरवा के गेंदबाज सरताज आलम ने 2 विकेट लिए। राजमहल सीनियर ए के खिलाड़ी अमित राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जाहिद खान ने अमित राज को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। वहीं सभी खिलाड़ियों को पेन देकर सम्मानित किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह अंसारी ने किया। मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम सहित अन्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य केंद्रों के सीएचओ को कुष्ठ रोग निवारण का प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: जिले में कुष्ठ रोग के उन्मूलन और इसके प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न प्रखंडों के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को कुष्ठ रोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं को बीमारी के शुरूआती संकेतों को कैसे पहचानें, कुष्ठ रोग के इलाज और उपलब्ध दवाओं की जानकारी, समय पर इलाज के जरिए शरीर में होने वाली विकृति को कैसे रोका जाए, गांव-देहात के इलाकों में प्रभावी ढंग से सर्वे करने और मरीजों को खोजने के तरीके, समाज में इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां आदि की जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रशिक्षण के पहले दिन बरहेट, बोरियो, तालझारी और सदर प्रखंड के सीएचओ शामिल हुए। प्रशिक्षण का उद्देश्य कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना और ग्रामीण स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना है। आज शेष प्रखंडों के स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

'सवर्णों को बेड़ियों से नहीं कुचल सकते' यूजीसी पर प्रदर्शन

पटना में काला कानून वापस लो' के पोस्टर के साथ विरोध; बिल पर ललन सिंह की चुप्पी

पटना। UGC बिल 2026 पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को रोक लगा दी है। कोर्ट ने सरकार से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। उखकने कहा है कि बिल के गलत इस्तेमाल की आशंका है। इधर,इस बिला को लेकर देशभर में विरोध-प्रदर्शन जारी है। पटना में भी राजपूत करणी सेना प्रदर्शन कर रही है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि, इस तरह के बिल से सरकार सवर्णों को बेड़ियों से नहीं कुचल सकती। काला कानून वापस लो के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। इधर, दिल्ली से पटना पहुंचे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से पटना एयरपोर्ट पर जब UGC बिल को लेकर सवाल किया गया, तो वह मीडिया से बातचीत किए बिना ही आगे बढ़ गए। पत्रकार उनसे लगातार सवाल करते रहे आप सवर्णों के बड़े नेता हैं, यूजीसी पर आपका क्या रुख है, लेकिन ललन सिंह ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया और चुप्पी साधे रहे।UGC पर जेडीयू विधायक चेतन आनंद ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'कल अनेक कॉलेज के छात्रों से और UGC Act को लेकर कई चचाएं हुईं। कई घंटे चले इस वातालर्प का निष्कर्ष निकला, सवर्ण छात्र अगर जातिगत भेदभाव करते हैं तो उनपर कार्रवाई हो, मगर उन्हें आपसी रंजिश में फंसाया जाए तो फंसाने वाले पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कानून का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए। जातिगत भेदभाव देश के लिए नासूर है। ऐसे मामलों में दोषी के खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए, मगर निर्दोष को बचने का अवसर भी मिलना चाहिए। 2012 में बने नियम में था कि अगर आरोप गलत निकले या फंसाने की मंशा निकली तो जुमार्ना लगता था। नए नियम में क्यों नहीं है।' यूजीसी बिल को तेज प्रताप यादव का खुला समर्थन राजद नेता तेज प्रताप यादव ने यूजीसी के नए नियमों को ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लाया गया कानून का मकसद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जातिगत भेदभाव को रोकना है।' कांग्रेस ने UGC बिल को लेकर हो रही चचाओं को एकतरफा बताया है। पार्टी का कहना है कि यह समझने की जरूरत है कि इस कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों किया जाएगा।

यूजीसी बिल पर चेतन आनंद ने उठाए सवाल

यूजीसी पर जेडीयू विधायक चेतन आनंद ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'कल अनेक कॉलेज के छात्रों से one-to-one संवाद हुआ और UGC Act को लेकर कई चचाएं हुईं। कई घंटे चले इस वातालर्प का निष्कर्ष निकला, सवर्ण छात्र अगर जातिगत भेदभाव करते हैं तो उनपर कार्रवाई हो, मगर उन्हें आपसी रंजिश में फंसाया जाए तो फंसाने वाले पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कानून का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए। जातिगत भेदभाव देश के लिए नासूर है। ऐसे मामलों में दोषी के खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए, मगर निर्दोष को बचने का अवसर भी मिलना चाहिए। 2012 में बने नियम में था कि अगर आरोप गलत निकले या फंसाने की मंशा निकली तो जुमार्ना लगता था। नए नियम में क्यों नहीं है।'

चेन्नई में बिहार के पति-पत्नी और बेटे की हत्या

चेन्नई। बिहार के शेखपुरा के एक परिवार की हत्या कर दी गई। इनमें पति-पत्नी और डेढ़ साल का बेटा शामिल है। पिता और बेटे का शव मिल गया है, जबकि महिला के शव की तलाश की जा रही है। मृतकों की पहचान शेखपुरा टाउन थाना क्षेत्र के पथलाफारगांव केगौरव यादव (28), पत्नी मोनी कुमारी और डेढ़ साल के बेटे गुडडु उर्फ वीरमणि के रूप में हुई है। बुधवार की शाम गौरव यादव का शव फ्लाइट से गांव लाया गया। जिसके बाद गांव में कोहराम मच गया। गौरव का शव चेन्नई के अडयार थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर में कई टुकड़ों में बोरे में बंद कचरे के पास से मिला, जबकि मासूम बच्चे का शव बुधवार को पुलिस ने मध्य कैलाश के पास कूउम नदी से बरामद किया। वहीं, पत्नी मोनी कुमारी के शव की तलाश पेरूंगुडी डंपिंग यार्ड के कचरे के ढेर में की जा रही है। चेन्नई पुलिस ने महिला के मायके के रहने वाले उपेंद्र यादव समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।गौरव कुमार पिछले 4 सालों से चेन्नई के ऑडियार थाना क्षेत्र के एक अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत थे। वो कुछ महीने पहले गांव आए थे और मकर संक्रांति के एक दिन बाद 16 जनवरी को अपनी पत्नी और छोटे बच्चे के साथ नालंदा जिले के मानपुर थाना क्षेत्र स्थित अपने ससुराल से चेन्नई लौटे थे। परिवार को लेकर गौरव पहली बार चेन्नई गए थे। पिछले तीन दिनों से गौरव का कोई अता-पता नहीं था। परिजनों के अनुसार, 25 जनवरी को चेन्नई पुलिस ने गौरव के पिता को उनके बेटे की मौत की सूचना दी थी। पिता को सूचना मिलने पर उन्होंने चेन्नई में रह रहे अपने बड़े बेटे को जानकारी दी, जिसने मौके पर पहुंचकर गौरव कुमार की हत्या की पुष्टि की।

बेंच-डेस्क खरीद घोटाले की फिर से होगी जांच

नालंदा। सरकारी विद्यालयों में बेंच-डेस्क आपूर्ति को लेकर उठे घोटाले के आरोपों की अब फिर से जांच होगी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जिलास्तरीय जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया है। डीडीसी शुभम कुमार ने स्पष्ट किया कि सरकारी खजाने के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे कोई भी हों। 51 हजार बेंच-डेस्क की आपूर्ति में गड़बड़ी वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न एजेंसियों की ओर से जिले के सरकारी स्कूलों में कुल 51 हजार बेंच-डेस्क की आपूर्ति की गई थी। जब जिला शिक्षा पदाधिकारी (स्थापना) आनंद शंकर ने दस्तावेजों की पड़ताल की तो आपूर्तिकर्ता एजेंसियों की ओर से जिला शिक्षा कार्यालय को उपलब्ध कराए गए कागजातों में गंभीर विसंगतियां सामने आईं। इस मामले में डीपीओ ने 59 विद्यालयों के प्राचार्यों से स्पष्टीकरण मांगा था। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकंगरसराय और परवलपुर प्रखंड के खंड शिक्षा पदाधिकारियों (बीईओ) को संबंधित प्राचार्यों के खिलाफ प्रपत्र 'क' गठित करने का आदेश जारी किया गया।प्रपत्र 'क' गठन के आदेश के बाद शिक्षक बिरादरी में हड़कंप मच गया। एकंगरसराय और परवलपुर प्रखंडों के दर्जनों शिक्षक डीडीसी कार्यालय पहुंचे और अपनी सफाई पेश की। शिक्षकों ने अपने आवेदनों में स्पष्ट किया कि स्कूलों को बेंच-डेस्क खरीदने के लिए किसी भी माध्यम से कोई राशि उपलब्ध नहीं कराई गई थी। शिक्षकों का तर्क है कि आपूर्तिकर्ता एजेंसी ने न तो विद्यालयों से किसी प्रकार की राशि की मांग की और न ही कोई वित्तीय लेन-देन हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी ने किस मद से बेंच-डेस्क की आपूर्ति की, इसकी जानकारी तक प्राचार्यों को नहीं दी गई। ऐसे में हेड-मास्टर को दोषी ठहराना अनुचित है। जांच के दायरे से बाहर रहे कई अहम लोग दिलचस्प बात यह है कि अब तक की जांच में केवल पूर्व स्थापना डीपीओ को ही दोषी माना गया है। जबकि, बेंच-डेस्क की गुणवत्ता जांच करने वाली टीम तक जांच का दायरा नहीं पहुंच सका है। नियमानुसार, गुणवत्ता परीक्षण के बाद ही एजेंसी को भुगतान किया जाना चाहिए था, लेकिन इस प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों की भूमिका पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिलास्तरीय जांच की तैयारी डीडीसी शुभम कुमार ने आश्वासन दिया है कि मामले की तह तक जाने के लिए जिलास्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें लगातार शिकायतें मिल रही हैं। हम पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करेंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में खेल विकास के लिए नई पहल

नालंदा। खेल सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार की दिशा में विभाग ने तेजी पकड़ ली है। राज्य खेल सचिव महेंद्र कुमार के सख्त निदेर्शों के बाद जिला खेल प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। बिंद में प्रस्तावित एथलेटिक्स और फुटबॉल के एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण काम जल्द पूरा करने के साथ ही जिले भर के खेल मैदानों और स्टेडियमों के नियमित निरीक्षण की व्यवस्था लागू की जा रही है। जिला खेल पदाधिकारी शालिनी प्रकाश ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता एकलव्य प्रशिक्षण केंद्रों को चालू करना और मौजूदा खेल मैदानों को सुचारू रूप से संचालित करना है। उन्होंने कहा कि हरनौत में निशानेबाजी का प्रशिक्षण और राजगीर स्टेडियम में हॉकी का प्रशिक्षण पहले से ही सफलतापूर्वक चल रहा है। अब बिंद के एकलव्य केंद्र में एथलेटिक्स और फुटबॉल के होनहार खिलाड़ियों को तैयार किया जाएगा। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने पर जोर डीएसओ ने बताया कि गांव स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तराशने के उद्देश्य से बनाए गए खेल क्लबों को अब सक्रिय किया जा रहा है। इस दिशा में ठोस कदम उठाते हुए अब हर सप्ताह विभिन्न प्रखंडों का दौरा किया जाएगा। स्थानीय खेल समितियों के साथ बैठकें कर वहां की सुविधाओं की समीक्षा की जाएगी, ताकि जमीनी स्तर पर खेलों का माहौल तैयार हो सके।खेल सचिव महेंद्र कुमार ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिलों के प्रखंड स्तरीय स्टेडियमों और पंचायत खेल मैदानों का नियमित क्षेत्र भ्रमण करें। इसकी विस्तृत रिपोर्ट साप्ताहिक आधार पर ऑनलाइन सिस्टम पर अपडेट करना अनिवार्य होगा।

लैंड फॉर जॉब केस में 9 मार्च से रोजाना सुनवाई

पटना। लैंड फॉर जॉब केस में आज गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने लालू परिवार को राहत दी है। 1-25 फरवरी के बीच लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव को औपचारिक आरोप तय करने के लिए अदालत में सशरीर हाजिर होने की छूट दी है। आज की सुनवाई में लालू-राबड़ी और तेजस्वी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए, जबकि पाटलिपुत्र से राजद सांसद और लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव कोर्ट पहुंचीं। दोनों ने आरोपों से इनकार किया। 9 मार्च से मामले की रेगुलर सुनवाई होगी। जहां ट्रायल और प्रॉसिक्यूशन के सबूत रिकॉर्ड करने के लिए इसे लिस्ट किया गया है।। यह मामला केंद्रीय 9 जनवरी को कोर्ट ने लालू परिवार सहित कुल 41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अब इन सभी पर नियमित रूप से मुकदमा चलेगा। वहीं, कोर्ट ने 52 लोगों को इस मामले में बरी कर दिया था।पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने अपने आदेश में कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था और सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक व्यापक साजिश रची गई थी। जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'अदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी।'

गाड़ी की टक्कर से चाचा-भतीजा जख्मी

भागलपुर। स्नोहला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसा हुआ। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (मायागंज) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों की पहचान आजमपुर गांव निवासी गौरव कुमार (17) और उनके चाचा जितेंद्र यादव (30) के रूप में हुई है। दोनों स्नोहला बाजार से सामान खरीदकर एक ही बाइक पर अपने गांव लौट रहे थे। कमालपुर पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हाइवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत स्नोहला थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने घायलों को तत्काल स्नोहला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।मायागंज अस्पताल में इलाजरत दोनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

नीतीश के सामने लगे सम्राट चौधरी जिंदाबाद के नारे

मुख्यमंत्री का लालू पर निशाना, बोले- कोई काम नहीं करता था; समस्तीपुर में समृद्धि यात्रा

समस्तीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा आज समस्तीपुर पहुंची है। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, 'उन लोगों ने कोई काम नहीं किया। पहले बिहार की स्थिति बहुत खराब थी। हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। पढ़ाई की हालत बहुत बुरी थी। सड़कें नहीं थीं। बिजली नहीं थी। स्वास्थ्य व्यवस्था भी खराब थी। इसके बाद हम लोग आए तो हमने काम करवाना शुरू किया। अब कहीं डर का माहौल नहीं था। राज्य में कानून का राज है। पहले हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे तो वो लोग कुछ नहीं करते थे। हम लोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवाकर इन झगड़ों को खत्म किया।'इससे पहले CM ने सरायगंज में 827 करोड़ की लागत वाली जिले की अलग-अलग विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके बाद वे राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में करीब 25 स्टॉलों का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री के सामने सम्राट चौधरी जिंदाबाद के नारे लगे। नीतीश स्टॉल देखते हुए लोगों का अभिवादन करते आगे बढ़ गए। मुख्यमंत्री ने कॉलेज कैंपस में एक करोड़ 22 लाख की लागत से नवनिर्मित इम्यूनिटी भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए बनी वर्कशॉप, क्लास रूम और छात्र-छात्राओं की ओर से बन प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया। CM ने यहां स्टूडेंट्स के भी बात की।हमारी सरकार आई तो हमने कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवाई। पहले इसे लेकर हिंदू-मुस्लिम-झगड़े होते थे। अब सब ठीक है। हिंदू मंदिरों में भी तोड़फोड़ होती थी। हमने मंदिरों की भी घेराबंदी करवाई है। वो लोग सिर्फ लोगों को लड़वाते थे। किसी समस्या का हल नहीं निकालते थे। पहले लोग घर से निकलने पर डरते थेः उन लोगों के राज में डर का माहौल था। महिलाएं घर से बाहर निकलने से डरती थीं। शाम के बाद तो हम लोग भी घरों में छिप जाते थे। अनहोनी की आशंका बनी रहती थी। लूट, अपहरण, हत्या यही सब होता था, लेकिन अब देखिए लोग आराम से रातभर घूमते हैं। 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचाईः उन लोगों के राज में बिजली नहीं थी। हमने पैसे लगाए। 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गई। हमने पहले सस्ती दर पर बिजली दी। इसके बाद हमें लगा कि इसे नहीं लेना चाहिए। अब घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है। सरकार छतों पर सोलर लगा रही है। इसे लगवाइए आपको बहुत फायदा होगा। बिहार में 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदी हैंः महिलाओं को हमने 2013 में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण दिया। 2016 में फिर से हमने उन लोगों के लिए आरक्षण दिया। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर हमने राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इसे जीविका दीदी नाम दिया गया। इनकी संख्या 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। 2024 में हमने स्वयं सहायता समूह का गठन किया। अब 4 लाख 34 हजार जीविका दीदियां शहरी क्षेत्र में बन गई हैं। अगले 5 सालों में 1 करोड़ नौकरी-रोजगार देंगेः मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 10-10 हजार रुपए दिए गए। 2-2- लाख रुपए देकर उनके रोजगार को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के लिए भी सरकार लगातार काम कर रही है। अगले 5 साल में 1 करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। आइसा कार्यकताओं को पुलिस ने रोका वैकेंसी निकालने की मांग को लेकर आइसा कार्यकताओं ने जुलूस निकाला। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। पुलिस ने नारेबाजी कर रहे कार्यकताओं को रास्ते में रोका। पुलिस ने वादा किया कि वो उनकी मांगे अधिकारियों को दे देंगे।समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों से जुड़ी 71 योजनाओं का शिलान्यास किया। जिसकी कुल लागत 470.24 करोड़ रुपए है। जबकि विभिन्न विभागों की 74 योजनाओं का उद्घाटन हुआ। जिसकी कुल लागत 273 .22 करोड़ रुपए हैं।

संक्षिप्त डायरी

हथियार के साथ बदमाश अरेस्ट, 8KG गांजा बरामद

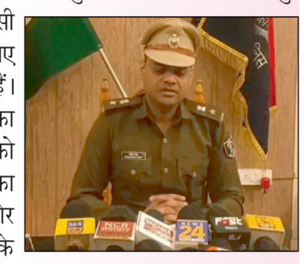

भागलपुर। हथियार से लैस गांजा तस्कर को पुलिस ने दबोचा है। हबीबपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए अपराधी हथियार लेकर घूम रहे हैं। इसके आधार पर पुलिस ने सूचना का सत्यापन कर वरीय अधिकारियों को जानकारी दी, जिसके बाद टीम का गठन किया गया। गठित टीम की ओर से इलाके में छापेमारी की गई, जिसके दौरान युवक को डिटेन किया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से पुलिस ने हथियार बरामद किया है। सिटी एसपी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हबीबपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बदलेआलमपुर इलाके में मोहम्मद इरफान नाम का व्यक्ति किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही हबीबपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तलाशी ली तो आरोपी के पास से एक देसी कट्टा, एक दीसी पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस, एक मैगजीन, एक मोबाइल फोन और 8 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि आरोपी मोहम्मद इरफान का पहले से भी आपराधिक इतिहास रहा है।पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी कर रही है। सिटी एसपी ने कहा कि आरोपी से अभी पूछताछ की जाएगी और बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की भी जांच की जाएगी कि इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है। आज के प्रेस वार्ता के दौरान विधि-व्यवस्था डीएसपी, हबीबपुर थानेदार सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

मनरेगा में भ्रष्टाचार था, नौकरी की गारंटी नहीं

भागलपुर। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव आज भागलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने किसानों के साथ एक बैठक की। बैठक में पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कृषि मंत्री ने कहा कि पार्टी स्तर पर जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है और इसी तरह के आयोजन देश भर में पार्टी कार्यालयों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से लोगों को योजनाओं को लेकर भ्रमित किया जा रहा है, विशेष रूप से श्रीराम रोजगार योजना को लेकर गलत जानकारी फैलाई जा रही है। भ्रम को दूर करने के लिए पार्टी और सरकार जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर किसानों से संवाद कर रही है। सभाओं के माध्यम से किसानों को बताया जा रहा है कि यह योजना उनके हित में है। कृषि मंत्री ने कहा कि पहले मनरेगा में व्यापक भ्रष्टाचार था और रोजगार की गारंटी भी सीमित थी। श्रीराम रोजगार योजना में रोजगार की गारंटी सुनिश्चित की गई है। पहले मनरेगा में मजदूरों को 120 दिन का काम मिलता था, जबकि नई योजना के तहत 130 दिन का रोजगार मिलेगा। साथ ही, प्रतिदिन मिलने वाली मजदूरी राशि में भी वृद्धि की गई है। हर दृष्टि से श्रीराम रोजगार योजना किसानों और मजदूरों के लिए लाभकारी है।भागलपुर की धरती के लिए सरकार विशेष चिंता कर रही है। प्रत्येक प्रखंड में कोल्ड स्टोरेज स्थापित किए जाएंगे, जिसका काम तेजी से चल रहा है। बिहार देश में सब्जी उत्पादन में चौथे स्थान पर है और राज्य में लगभग 1 लाख 70 हजार मीट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन होता है। सरकार अगले पांच साल में सब्जी उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि यह इलाका मक्का उत्पादन का बड़ा क्षेत्र है, इसलिए सरकार का विशेष ध्यान इस पर है। किसानों को कैसे अधिक सहयोग देकर उनकी आय बढ़ाई जा सके और उत्पादन क्षमता में इजाफा किया जा सके, इस पर काम किया जा रहा है। कृषि उत्पादों की मार्केटिंग व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।

औलियाबाद विद्यालय का विधायक शैलेन्द्र ने निरीक्षण किया

भागलपुर। बिहपुर विधायक इंजीनियर शैलेन्द्र ने प्रखंड बिहपुर के ग्राम औलियाबाद स्थित मध्य विद्यालय कारगिल का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विद्यालय परिसर में मौजूद पोखर और आवागमन मार्ग के अभाव को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर किया गया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया कि विद्यालय तक पहुंचने के लिए कोई उचित मार्ग नहीं है। साथ ही, परिसर में एक पोखर होने के कारण छात्रों के लिए किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए, विधायक शैलेन्द्र ने मौके पर मौजूद अंचल अधिकारी (सीओ) लवकुश कुमार को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। विधायक ने स्पष्ट रूप से कहा कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने सीओ को निर्देश दिया कि विद्यालय की जमीन पर स्थित पोखर को भरकर सुरक्षित मार्ग का निर्माण किया जाए और छात्रों के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नोटिश पासवान, समाजसेवी इंजीनियर सोनू मिश्र, मिथलेश चौधरी, मनोज चौधरी, सुमन महतो, मुकेश महतो, जितेंद्र मल्लिक, बबलू मल्लिक, पप्पू महतो, नगीना महतो, मनोज सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

नवादा में करंट से युवक की मौत

नवादा। नारदीगंज थाना क्षेत्र में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना कहुआरा गांव के भट्टा हाट स्थित एक खेत में खाद डालते समय हुई। मृतक की पहचान कहुआरा गांव निवासी स्व. लखन राजवंशी के पुत्र अशोक राजवंशी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोक राजवंशी दोपहर करीब 1 बजे अपने घर से खेत में खाद डालने निकले थे। भट्टा हाट के समीप अपने गेहूं के खेत में खाद डालते समय वह खेत में गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। कुछ देर बाद जब उनकी पत्नी पूनम देवी खेत में पहुंचीं, तो उन्होंने अशोक को जमीन पर गिरा हुआ पाया। उनके शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। अशोक को तत्काल सीएचसी नारदीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई दुगार्नंद ठाकुर सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। मृतक अशोक राजवंशी के परिवार में उनकी पत्नी पूनम देवी, तीन पुत्र अंकित कुमार, दिलखुश कुमार, गोलू कुमार और एक पुत्री करीना कुमारी हैं। सरपंच नागेंद्र कुमार सिन्हा, पूर्व मुखिया राकेश कुमार, शिक्षक देवेंद्र कुमार और रूपलाल मांझी सहित कई ग्रामीण सीएचसी पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फ्लक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

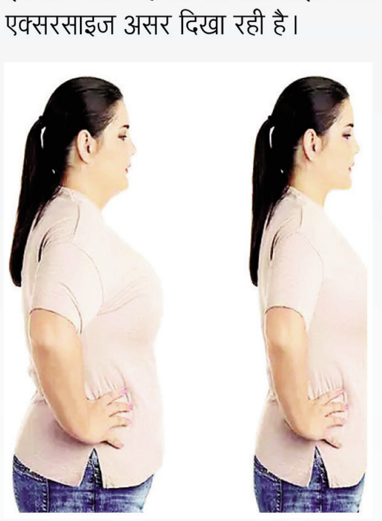

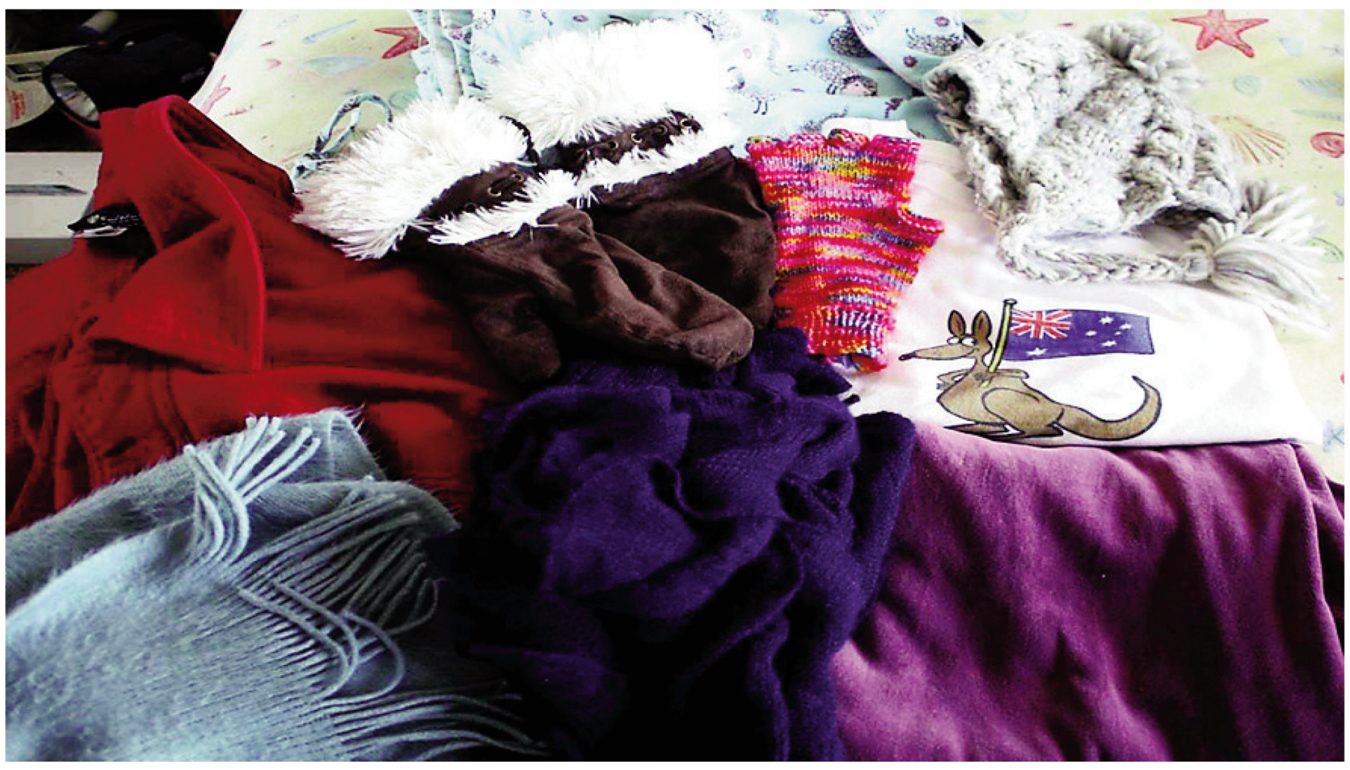

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं रहेगा

कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।

रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं

रोहित ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है।

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है।'

वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में सैमसन की जगह ईशान किशन को शामिल करें : पार्थिव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल कर पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। पार्थिव ने टीम प्रबंधन को सलाह दी है उस इस मैच में सैमसन की जगह पर ईशान को शामिल करना ही फायदेमंद होगा। सैमसन को बाहर करने की मांग इसलिए हो रही है क्योंकि वह पहले ही तीनों मैचों में विफल रहे है। चार मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए सैमसन केवल 39 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में प्रबंधन के ऊपर अंतिम टी20 में सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजे जाने का दबाव है। ईशान ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी की है। वहीं . इस सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब तक चार मैचों में वह केवल 10, 6, 0 और 24 रन बना पाये हैं। पार्थिव का मानना है कि अंतिम मैच में ईशान को अवसर देने से अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उनके फार्म का भी अंदाज हो जाएगा। .

पार्थिव ने कहा कि अगर पांचवे मैच में ईशान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो उन्हें विश्वकप में मुख्य विकेटकीपर बनाया जा सकता है। ईशान की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। वहीं इस सीरीज में अब तक ईशान ने तीन मैच खेले हैं, जिनमें उनके स्कोर 8, 76 और 28 रन बनाये हैं। पार्थिव पटेल ने कहा, 'अगर मुझे फैसला लेना होता तो मैं अंतिम मैच में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करता। अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान को मुख्य विकेटकीपर बनाना है, तो पांचवें टी20 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्हें ही विकेटकीपिंग देनी होगी।'

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं।' कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।'

मोइन ने यॉर्कशायर की ओर घरेलू क्रिकेट खेलेंगे संन्यास से वापसी की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली अब एक बार फिर घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। मोइन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास के अपने फैसले को बदलते हुए कहा है कि इस सत्र के लिए काउंटी क्लब यॉर्कशायर से अनुबंध किया है। ये अनुबंध अगले एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भी मोईन के साथ करार की पुष्टि की है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, मैं वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है पर जो बात मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लग रही है वह टीम का लगातार आगे बढ़ना है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस क्लब की ओर से खेलना उनके लिए खुशी की बात होगी। साथ ही कहा कि मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में सहायता करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और मेरा प्रयास इस बार टीम को जीत में सहायता करना है पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से यॉर्कशायर आठवें स्थान पर रही थी। वहीं यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं उनका प्रभाव मैदान पर काफी ज्यादा होता है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उनके आने से टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे। 33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा। राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा। साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा। उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन का आनंद लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।' राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है। मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है। यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं। जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है। कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज़ी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं। श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं। राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है। उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा। राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है। उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है। इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं। राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं। हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है। टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला। कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए। बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है।' इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख पर याचिका पर बहस की जाएगी। अदालत ने साफ कहा, 'कोई रोक नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है।' सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया, जो उनसे बदला लेना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की सच्चाई की जांच किए बिना ही निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दी गई। निचली अदालत ने 21 मई, 2024 को यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए। इस मामले में सह-आरोपी और WFI के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया था। दिल्ली पुलिस ने मई 2023 में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

नवी मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं। अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था। उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट-ए मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए। उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये। साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

ओलंपिक 2036 दावेदारी : एक्वाटिक्स, नौकायन, साइकिलिंग पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत करने के लिये पदक रणनीति में भी बदलाव किये जा रहे हैं ताकि एक्वाटिक्स और साइकिलिंग जैसे खेलों में भी मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई जा सके जिनमें आम तौर पर प्रदर्शन औसत रहता है । इन दोनों खेलों में सौ से अधिक ओलंपिक पदक दाव पर लगे होते हैं लेकिन भारत की झोली खाली ही रहती है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'अगर हमारे देश में ओलंपिक होते हैं और हमारे खिलाड़ी छह पदक लेकर 71वें स्थान पर रहते हैं तो क्या यह अच्छा लगेगा, जैसा पेरिस (2024) में हुआ था। हमें इस पर तुरंत गौर करना होगा।' सूत्र ने कहा, 'मेजबान देश ओलंपिक में अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर जोर देते हैं ताकि अपने देश में होने वाले खेलों में मैदान पर भी उनका परचम लहराए।'

चीन ने 2008 बीजिंग ओलंपिक से ऐसे खेलों में अपने प्रदर्शन में सुधार किया जिसमें अतीत में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इनमें मुक्केबाजी, केनोइंग और तीरंदाजी शामिल है। सूत्र ने कहा, 'भारत अपने खेलों के सफर में एक अहम मोड़ पर है और चुनौती यह पक्का करना है कि हम यहां से ऊपर उठें, नीचे न गिरे। बुनियादी ढांचा चिंता का विषय नहीं है, यह सबसे आसान काम है और शायद सबसे अधिक दिखने वाला भी, इसीलिए इसके प्रति जुनून है। बड़ी चिंता एक खेल देश के रूप में हमारे दर्जे की है।' इसलिए अब फोकस स्कूलों पर होगा जहां से 2036 ओलंपिक के भावी सितारे निकलेंगे।

उन खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जिनमें भारत का प्रदर्शन खास नहीं रहा है लेकिन जिनसे पदक मिल सकते हैं। इसके लिए एक्वाटिक्स, नौकायन और साइकिलिंग प्राथमिकता में हैं। एक्वाटिक्स में तैराकी, गोताखोरी, वाटरपोलो, कलात्मक तैयारी और ओपन वॉटर तैराकी शामिल है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में 36 स्पर्धाओं के 350 से अधिक कुल पदकों में से 55 दाव पर होंगे।

नौकायन में 15 स्पर्धाओं में 45 और साइकिलिंग में 22 स्पर्धाओं में 66 पदक दाव पर होंगे। सूत्र ने कहा, 'हम उन खेलों पर फोकस करना चाहते हैं जिनमें अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके यह मायने नहीं हैं कि हम मुक्केबाजी, कुश्ती या निशानेबाजी की उपेक्षा करने जा रहे हैं। लेकिन अधिक पदक देने वाले खेलों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।'

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है। , तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है। वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

अब पंजाब-हरियाणा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मौके पर फायर ब्रिगेड मौजूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर के प्रमुख 30 स्कूलों को मिली बम की धमकी के एक दिन बाद ही गुरुवार को पंजाब-हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया और पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। जानकारी अनुसार पंजाब-हरियाणा सचिवालय को 29 जनवरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले बुधवार को शहर के 30 प्रमुख स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बरत रहीं हैं। सचिवालय को मिली धमकी के तुरंत बाद ही चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सचिवालय परिसर को खाली करवाया गया और गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। सचिवालय एक तरह से छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस के आला अधिकारी खुद भी मौके पर पहुंचे हैं और चप्पे-चप्पे पर तलाशी अभियान चलाया गया है। वैसे इस धमकी से पहले स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी को देखते हुए गहन जांच की गई थी, जिसमें धमकियों को अफवाह करार दिया गया था। बहरहाल लगातार मिल रही धमकियों के लिंग को खोजा जा रहा है और पता लगाया जा रहा है कि क्या इन तमाम धमकियों का कहीं कोई एक ही लिंक तो नहीं है।

आग का गोला बनी निजी बस, यात्रियों में दहशत और अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक प्राइवेट बस आग के गोला में तब्दील हो गई, जिससे उसमें सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह बस होसानगर से बेंगलुरु की ओर जा रही थी, तभी अचानक आग लग गई। गनीमत की बात यह रही कि समय रहते सभी यात्रियों को बस से उतार लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी अनुसार निजी बस में आग लगने का हादसा उस समय हुआ जब यात्री गहरी नींद में सोए हुए थे। अचानक बस के इंजन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। इस बस में कुल 36 यात्री सवार थे। चलती बस में आग तेजी भड़की लेकिन चालक ने सूझबूझ से काम लिया और बस को रोड के किनारे लगा दिया। आग लगी देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और वे खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलने लगे। इस अफरा-तफरी में कुछ यात्री घायल हो गए, लेकिन बड़ा हादसा टल गया। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 10 यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। फिलहाल राहत की बात यह रही, कि हादसे में किसी की जान जाने की कोई खबर अब तक नहीं मिली है। आग के कारण यात्रियों का सामान और बैग्स जलकर राख हो गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामले में बड़ा खुलासा, रसायनों के जरिए गायब की गई सोने की परत

सबरीमाला (एजेंसी)। भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध धाम सबरीमाला मंदिर में हुए कथित सोना चोरी मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। जिसे अब तक ढांचागत चोरी या अंतरराष्ट्रीय गिरोह की बड़ी साजिश माना जा रहा था, वह वास्तव में रसायनों के जरिए अंजाम दी गई एक शातिर वैज्ञानिक ठगी निकली है। इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों द्वारा की गई हाई-टेक जांच में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि मंदिर के गर्भगृह के दरवाजों को बदला नहीं गया था, बल्कि उन पर चढ़ी सोने की बेशकीमती परत को रसायनों के माध्यम से निकाल लिया गया। बुधवार को केरल हाईकोर्ट में पेश की गई वैज्ञानिकों की रिपोर्ट ने उन पुरानी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि असली दरवाजों को हटाकर वहां पीतल या नकली चादरें लगा दी गई हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी बारीकी जांच में पाया कि गर्भगृह के लकड़ी के फ्रेम और उन पर लगी तांबे की मूल शीट बिल्कुल वही हैं जो पहले थीं। हालांकि, इन तांबे की शीटों पर अब सोने की मात्रा लगभग शून्य हो गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस चोरी को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया। चोरों ने पारे और विशेष खतरनाक रासायनिक घोलों का उपयोग कर तांबे की सतह से सोना खींच लिया, जिससे शीटों का रंग और उनकी रासायनिक बनावट बदल गई। यह खुलासा मंदिर प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर उभरा है। अब जांच की दिशा उन तकनीकी जानकारों और विशेषज्ञों की ओर मुड़ गई है, जिन्हें रसायनों के इस खतरनाक खेल की गहरी समझ है। इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और वहां मौजूद बहुमूल्य धातुओं के संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की हत्या के आरोपी को गोली मारी, मौत

मोहाली,(एजेंसी)। पंजाब के मौहाली में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की 2020 में हुई हत्या के आरोपियों में से एक की गोली मारकर हत्या की है। घटना मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम गुरविंदर सिंह उर्फ लम्बड़ था। गुरविंदर अपनी पत्नी के साथ चार किलोग्राम अफीम बरामदगी के मामले की सुनवाई के लिए अदालत आया था। सुनवाई के बाद जब वह अपनी कार के पास पहुँचा, तब दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरविंदर को पहले से गोल्डी बराड़ से धमकियां मिल रही थीं। सोशल मीडिया पर एक अपुष्ट पोस्ट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा और विक्की पहलवान ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए गुरविंदर की हत्या को उसके चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ की 2020 में हुई हत्या से जोड़ा। विदेश में रहने वाले गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ को 2020 में चंडीगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रूपनगर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नानक सिंह ने बताया कि गुरविंदर का आपराधिक रिकॉर्ड था और उसका नाम गुरलाल बराड़ हत्याकांड में भी सामने आया था।

मौसम की दोहरी मार: उत्तर में शीतलहर और कोहरे की मार, दक्षिण में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से बदलने वाला है, जिसका व्यापक असर पहाड़ों से लेकर मैदानी और तटीय इलाकों तक देखने को मिलेगा। कहीं कड़ाके की ठंड लोगों को कंपकंपी छुड़ा रही है, तो कहीं लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने एक नया अलर्ट जारी किया है, जिसने आने वाले दिनों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 29, 30 और 31 जनवरी को देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, घना कोहरा और आंधी-तूफान आने की प्रबल संभावना है।

इस मौसमी बदलाव का मुख्य कारण एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों–विशेषकर राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख–में मौसम अचानक करवट लेगा। 30 जनवरी की रात से यह विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देगा, जिससे कई राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलेंगी। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट आएगी, जिससे ठंड का प्रकोप बढ़ना तय है। मैदानी इलाकों, विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में 29 जनवरी को सुबह के समय कड़ाके की ठंड के साथ हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन कोहरे का कहर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बरेली, बहराइच और कुशीनगर समेत करीब 18 जिलों में रेड अलर्ट जैसी स्थिति रह सकती है, जहाँ विजिबिलिटी (दृश्यता) बेहद कम होने से यातायात प्रभावित होगा। राजस्थान में 31 जनवरी और 1 फरवरी को बारिश के साथ मौसम पूरी तरह बदलने का अनुमान है।

पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी के चलते सड़क संपर्क बाधित होने की आशंका है, जिससे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है ताकि वे अपनी तैयार फसलों को पाले और अचानक बारिश से बचा सकें।

दूसरी ओर, दक्षिण भारत में मौसम का बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल रहा है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में अगले तीन दिनों तक भारी से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठने का अनुमान है। तमिलनाडु के आंतरिक जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। केरल के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने और आम लोगों को खराब मौसम के दौरान यात्रा टालने की सख्त हिदायत दी गई है। कुल मिलाकर, जनवरी का अंत पूरे देश के लिए मौसमी चुनौतियों से भरा रहने वाला है।

अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक प्रमुखों ने भारत-ईयू एफटीए की प्रशंसा की

नई दिल्ली। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मजबूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है। द टेलीग्राफ : जेम्स क्रिस्प के श्मोदी इज द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स विद ईयूश् शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को 'सभी व्यापार समझौतों की जननी' बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अखबार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा। ब्लूमबर्ग: डैन स्ट्रम्पफ के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज वर्ल्ड हेजेस ट्रंप शीर्षक से एक लेख में कहा गया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ श्मदर ऑफ ऑल डील्स समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है : भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बिगड़े बोल- आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए

मथुरा(एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर टिप्पणी करते हुए अनिरुद्धाचार्य ने मंच से ऐसा बयान दे दिया, जिस पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे असंवेदनशील बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे कर्तव्य और ईमानदारी से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल कथा के दौरान अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का विमान हादसे में निधन हो गया, जो बेहद दुखद है। उन्होंने पायलट की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, प्लेन उड़ाने की पूरी जिम्मेदारी पायलट के पास होती है। पायलट के हाथ में प्लेन में सवार सभी लोगों की जान होती है। अगर आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए। अब आप पायलट हैं, आपको प्लेन उतारना है, लेकिन आप प्लेन न उतारकर कुछ और करने लग जाएं तो यह ठीक नहीं है। जो काम है आपका, वही करिए। वही आपकी भक्ति है। अनिरुद्धाचार्य यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए सेना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हमारी सेना बॉर्डर पर खड़ी है। सेना का काम है कि सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि न हो। अगर सारे सैनिक उठकर किसी मंदिर में जाकर बैठ जाएं तो व्यवस्था भंग हो जाएगी। सैनिक की ईमानदारी से की गई सेवा ही उसकी भक्ति है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए।

हालांकि, इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कहा कि एक दुखद हादसे के तुरंत बाद इस तरह की टिप्पणी करना पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता दिखाता है। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब हादसे की जांच चल रही है, तब पायलट की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक मंच से टिप्पणी करना उचित नहीं है।

राहुल गांधी और कनिमोझी के बीच चली घंटे भर बैठक पर गठबंधन के लिए नहीं बन सकी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर चल रही असहजता के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच एक अहम बैठक हुई। दिल्ली में बुधवार को हुई यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली, लेकिन गठबंधन की कार्ययोजना या सीटों के बंटवारे को लेकर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी।

सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डीएमके की पहल पर हुई थी, ताकि अपने पुराने सहयोगी कांग्रेस के साथ तालमेल को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, बैठक के दौरान किसी भी तरह के आंकड़ों या फार्मूले पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि इस विषय पर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की समिति के साथ बातचीत की जाए और उसी मंच पर गठबंधन से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जाए। कांग्रेस सूत्र बता रहे हैं, कि बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, लेकिन निर्णय आगे की बातचीत पर छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में करीब दो दशक पुराने इस गठबंधन में इस बार तनाव की स्थिति है। इसकी मुख्य वजह कांग्रेस की राज्य इकाई की ओर से सरकार में हिस्सेदारी की मांग बताई जा रही है, जिसे डीएमके ने स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस के भीतर कुछ नेताओं ने झारखंड मॉडल की तर्ज पर तमिलनाडु में भी सत्ता में भागीदारी की मांग उठाई है। इसी पृष्ठभूमि में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व ने सभी प्रमुख राज्य नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार सुने। बैठक के बाद यह तय किया गया कि अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस के राज्य प्रभारी गिरीश चोडंकर ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि गठबंधन वार्ता अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है और कांग्रेस डीएमके की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, हम पिछले दो महीनों से इंतजार कर रहे हैं। हमारा विपक्ष काफी आक्रामक तरीके से काम कर रहा है। नवंबर में हमने गठबंधन समिति का गठन किया था और अनुरोध किया था कि 15 दिसंबर तक बातचीत पूरी कर ली जाए, लेकिन अभी तक देरी हो रही है। ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं, जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में 2021 के चुनावों में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं, जबकि पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य दलों ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत तेज हो सकती है, क्योंकि दोनों दल चुनाव से पहले किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड 2026: भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ, राज्यों की झांकियों में महाराष्ट्र अव्वल

-सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस परेड 2026 में तीनों सेनाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, अन्य सहायक बलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनियों का चयन हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तीनों सेनाओं में भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ चुना गया, जबकि सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला।

इसके अलावा राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में महाराष्ट्र की झांकी अव्वल रही, जिसमें 'गणेशोत्सव- आत्मनिर्भरता का प्रतीक' प्रस्तुत किया गया। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जम्मू-कश्मीर और केरल की झांकियां रहीं। जम्मू-कश्मीर की झांकी में हस्तशिल्प और लोकनृत्यों को दिखाया गया, जबकि केरल की झांकी में वॉटर मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता को प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों की सर्वश्रेष्ठ झांकी का खिताब संस्कृति मंत्रालय ने जीता है। जिसका शीर्षक था 'वंदे मातरम्- एक राष्ट्र की आत्म-ध्वनि'। इसके अतिरिक्त विशेष पुरस्कार सीपीडब्ल्यूडी की झांकी और नृत्य समूह को प्रदान किए गए। जनमत के अनुसार, तीनों सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी के लिए असम रेजिमेंट, जबकि सीएपीएफ में सीआरपीएफ को चुना गया। राज्यों की झांकियों में जनमत के आधार पर गुजरात सर्वश्रेष्ठ, इसके बाद उत्तर प्रदेश और राजस्थान की झांकियां रही। केंद्रीय मंत्रालयों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के तौर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की झांकी को सर्वाधिक पसंद किया गया। गणतंत्र दिवस परेड 2026 ने न केवल सैन्य अनुशासन और प्रदर्शन की उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि सांस्कृतिक विविधता, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह परेड नागरिकों और अधिकारियों दोनों के लिए प्रेरणादायक अनुभव साबित हुई।

भागलपुर में 2400 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट होगा स्थापित

पीरपैंती (एजेंसी)। अदाणी समूह के तत्वावधान में पीरपैंती प्रखंड में प्रस्तावित 2400 मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के निर्माण को लेकर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में पर्यावरणीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने हाथ उठाकर परियोजना के समर्थन में अपनी सहमति प्रदान की। यह जन सुनवाई बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक प्रतिनिधि और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि पावर प्लांट की स्थापना से क्षेत्र में चहुंमुखी विकास होगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वक्ताओं ने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से पीरपैंती रोजगार का पावर हाउस बनेगा और युवाओं को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, यह परियोजना न केवल पीरपैंती बल्कि पूरे बिहार की औद्योगिक और आर्थिक विकास यात्रा को गति देगी। जन सुनवाई की अध्यक्षता भागलपुर के अपर जिला अधिकारी (विधि-व्यवस्था) राकेश रंजन एवं बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्राधिकारी शंभुनाथ झा ने की। इस अवसर पर अदाणी समूह के वरीय पर्यावरण पदाधिकारी आर. एन. शुक्ला ने पावर प्लांट की स्थापना से जुड़ी तकनीकी जानकारी साझा की और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जाने वाले उपायों की विस्तृत जानकारी दी। जन सुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने पर्यावरण सुरक्षा, स्थानीय रोजगार और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई, जिस पर परियोजना प्रबंधन की ओर से सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

आरक्षण के लिए धर्मांतरण मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीजेआई बोले- यह नया फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में आरक्षण का लाभ लेने के लिए कथित रूप से किए जा रहे धर्मांतरण के मामलों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने इस प्रवृत्ति को ÷नए किस्म का फर्जीवाड़ा÷ करार देते हुए कहा कि प्रभावशाली और सवर्ण जातियों के लोग केवल अल्पसंख्यक आरक्षण हासिल करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची की पीठ ने हरियाणा के हिसार निवासी निखिल कुमार पुनिया से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की। याचिकाकर्ता ने स्वयं को बौद्ध धर्म का अनुयायी बताते हुए अल्पसंख्यक कोटे के तहत शैक्षणिक संस्थान में दाखिले की मांग की थी। सुनवाई के दौरान जब सीजेआई ने याचिकाकर्ता की सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में सवाल किया, तो उसके वकील ने बताया कि वह जाट पुनिया समुदाय से आता है। इस पर सीजेआई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आप पुनिया हैं? फिर आप अल्पसंख्यक कैसे हो गए? मैं यह स्पष्ट रूप से जानना चाहता हूं कि आप किस पुनिया समुदाय से हैं? वकील की ओर से यह दलील दी गई कि धर्मांतरण करना याचिकाकर्ता का मौलिक अधिकार है और अब वह बौद्ध धर्म का पालन करता है। इस पर पीठ ने कहा कि केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए किया गया धर्मांतरण धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उपयोग आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने के लिए नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को यहीं समाप्त नहीं किया, बल्कि हरियाणा में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पीठ ने पूछा है कि अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राज्य में क्या नियम और दिशा-निर्देश हैं। क्या कोई सामान्य वर्ग का व्यक्ति, जो ईडब्ल्यूएस श्रेणी में भी नहीं आता, केवल धर्म बदलकर अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त कर सकता है? यदि किसी छात्र ने पूर्व में स्वयं को सामान्य श्रेणी का बताया हो, तो क्या वह बाद में लाभ के लिए खुद को बौद्ध अल्पसंख्यक घोषित कर सकता है?

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में जाट समुदाय एक प्रभावशाली वर्ग माना जाता है। यदि इस तरह के मामलों को मान्यता दी गई, तो इससे वास्तविक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन होगा, जिन्हें संरक्षण देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सुप्रीम कोर्ट अब हरियाणा सरकार की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। माना जा रहा है कि यह मामला भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता और आरक्षण के बीच की संवैधानिक सीमा तय करने में एक अहम नजीर बन सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**